दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 30 | अंकः 243 | भोपाल, बुधवार 17 सितंबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

मादक पदार्थों की तस्करी करते पकड़े 16000 विदेशी, भारत से होंगे बाहर

देश में जारी है सक्रिय ड्रग नेटवर्क को तोड़ने और ड्रग-फ्री इंडिया अभियान

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी करते पकड़े गए 16,000 विदेशी नागरिकों को भारत से निर्वासित करने की तैयारी कर ली है। ये सभी विदेशी नागरिक अलग-अलग राज्यों में हिरासत में हैं या डिटेंशन केंद्रों में बंद हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्टों पर आधार पर की गई है, जिसका उद्देश्य देश में सक्रिय ड्रग नेटवर्क को तोड़ना और ड्रग-फ्री इंडिया अभियान को मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि म्यांमार, बांग्लादेश, फिलीपींस, मलेशिया, घाना और नाइजीरिया जैसे देशों के नागरिक इस सूची में शामिल हैं। इन लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और संबंधित अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की उस रिपोर्ट के आधार पर की जा रही है, जिसमें इन विदेशी नागरिकों की संलिप्तता उजागर की गई थी। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि संगठित नेटवर्क के जरिए भारत को ड्रग्स का एक बड़ा ट्रांजिट हब बनाने की कोशिश की जा रही थी। सूत्रों ने बताया कि विदेशी नागरिकों की पूरी सूची गृह मंत्रालय और संबंधित एजेंसियों को सौंप दी है। अब नए आव्रजन कानून के तहत चरणबद्ध तरीके से इन सभी को उनके देशों में भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अधिकारियों का मानना है कि यह कदम भारत में नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारत में अवैध तरीके से प्रवेश कर अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

केंद्रीय एजेंसियों के मुताबिक हाल के वर्षों में विदेशी नागरिकों की संलिप्तता मादक पदार्थों की तस्करी में तेजी से बढ़ी है। खासतौर पर महानगरों और तटीय राज्यों में इनकी सक्रियता के सबूत मिले हैं। यही वजह है कि सरकार अब इन्हें देश से बाहर करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। केंद्र सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिए थे कि ड्रग तस्करी को राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा मानकर कार्रवाई करें।

कंपनी हर मैच के लिए 4.5 करोड़ रुपए देगी

अपोलो टायर्स टीम इंडिया की टाइटल स्पॉन्सर बनी, 2028 तक का कॉन्ट्रैक्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की नई स्पॉन्सर होगी। कंपनी हर मैच पर लगभग 4.5 करोड़ रुपए खर्च करेगी ।कॉन्ट्रैक्ट 2028 तक के लिए हुआ है और इस दौरान 130 मैच खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी कहा था, अपोलो टायर्स के साथ समझौता हो गया है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे।

इससे पहले ड्रीम-11 भारतीय टीम की टाइटल स्पॉन्सर थी। कंपनी हर मैच के लिए बीसीसीआई को 4 करोड़ रुपए देती थी। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 लागू होने के बाद बीसीसीआई ने ड्रीम 11 से करार खत्म कर दिया था। भारतीय टीम एशिया कप में बिना स्पॉन्सरशिप के खेल रही है, क्योंकि ड्रीम-11 से पहले ही करार खत्म हो चुका है। बीसीसीआई ने 2 सितंबर को स्पॉन्सरशिप के लिए टेंडर जारी किए थे।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में हौज में डूबने से बच्चे की मौतः पांच घंटे बाद मिला शव

इंदौर नप्र। इंदौर के राऊ इलाके में सोमवार शाम 3 साल के बच्चे का शव उसके घर की हौज में पड़ा हुआ मिला। वह दोपहर 2 बजे से गायब था। परिवार को लगा कि वह आसपास खेल रहा होगा। करीब 5 घंटे तक लोग उसे ढूंढते रहे। इसके बाद हौज में झांककर देखा तो वह अंदर पड़ा था। राऊ पुलिस के मुताबिक, घटना नेहरू नगर की है। यहां तीन साल के रोहित पुत्र दिलीप पंचार की करीब 6 फीट गहरी हौज में डूबने से मौत हो गई। पिता दिलीप ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। उनके माता-पिता और पत्नी भी काम पर जाते हैं। घर पर दो बहुएं थीं। रोहित घर के आगे वाले कमरे में खेल रहा था। दिन में पानी के लिए हौज कुछ देर के लिए खुली छोड़ दी थी। उसी दौरान रोहित अंदर गिर गया। कुछ देर तक छोटी बहू को रोहित नहीं दिखा तो उसने ढूंढा। आसपास के लोगों से भी पूछा।

ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मामले में ईडी ने सोनू सूद को बुलाया

नई दिल्ली एजेंसी। ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मामले में अभिनेता सोनू सूद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर आ गए हैं। ईडी ने उन्हें 24 सितंबर को दिल्ली में पेश होने का नोटिस भेजा है। आरोप है कि सोनू सूद ने एक इसतरह के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का प्रमोशन किया जो भारत में प्रतिबंधित है। ईडी के सूत्रों के अनुसार, अभिनेता सूद से पूछा जाएगा कि उन्होंने किस आधार पर प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल करार किया, क्या उन्हें इसकी कानूनी स्थिति की जानकारी थी और इसके बदले में उन्हें कितनी राशि का भुगतान हुआ। एजेंसी जांच रही है कि क्या इस प्रचार के द्वारा किसी प्रकार की मनी लॉन्ड्रिंग या आर्थिक अनियमितता को अंजाम दिया गया। मामले में ईडी की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और अब तक कई फिल्मी सितारे और खिलाड़ी एजेंसी की पूछताछ के दायरे में आ चुके हैं।

दिल्ली हाट के रूप में विकसित होगा भोपाल हाट

स्वदेशी मेला-स्वदेशी व्यंजनों के संग, भोपाल वासियों को स्वदेशी वस्तुओं की आत्मीयता का कराएगा अनुभवः सीएम

स्वदेशी मेले से हुई सेवा पखवाड़ा की शुरूआत

स्वदेशी मेले में मिल रही है गांवों की बहन-बेटियों द्वारा बनाई एलईडी

दशहरे पर धूमधाम से होगा शस्त्र पूजन

मुख्यमंत्री ने भोपाल हाट में स्वदेशी मेला-स्वदेशी व्यंजनों के संग का किया शुभारंभ

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने जन्म दिवस पर सेवा का संकल्प लेते हुए सेवा पखवाड़े के माध्यम से %वोकल फॉर लोकल% की भावना को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उनकी प्रतिबद्धता के अनुरूप देश में स्वदेशी के अभियान को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 02 अक्टूबर तक सबका साथ-सबका विकास के भाव से जन भागीदारी, स्वच्छता और कल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। भोपाल हाट में लगा स्व-सहायता समूहों का %स्वदेशी मेला-स्वदेशी व्यंजनों के संग%, इन गतिविधियों की शुरूआत है। मेले में 40 स्व-सहायता समूह भाग ले रहे हैं। इससे लगभग 3 हजार 600 से अधिक परिवार लाभान्वित होंगे। आगामी तीज-त्यौहारों के दृष्टिगत यह स्वदेशी मेला महत्वपूर्ण है, इससे भोपाल वासी स्वदेशी उत्पादों की आत्मीयता का अनुभव ले सकेंगे।

इसके माध्यम से गांवों में घर-घर में बनने वाली वस्तुओं को बाजार और प्लेटफार्म उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इन गतिविधियों से ही आदि काल से भारत की पहचान रहे, स्वावलंबन के भाव को प्रोत्साहन मिलेगा। स्वदेशी के उत्पाद अपने गांव, जिले और प्रदेश के गौरवान्वित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को स्वदेशी मेला-स्वदेशी व्यंजनों के संग का भोपाल हाट में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वदेशी मेला में लगे स्टॉल्स का अवलोकन किया, विक्रेताओं तथा सामग्री निमार्ताओं से चर्चा की और वॉटर बॉटल बैग सहित अन्य सामग्री भी खरीदी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम भोजपुर के सिद्धी विनायक आजीविका स्व-सहायता समूह द्वारा लगाए गए चाट के स्टॉल पर पानी-पुरी का आनंद भी लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशहरे पर प्रदेश में धूम-धाम से शस्त्र पूजन किया जाएगा। यह सौभाग्य का विषय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। स्वतंत्रता से पहले सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने कल्पना कर ली थी कि आजादी तो मिलेगी, लेकिन इसके बाद देश को आजाद रखने के लिए सभी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में देश भक्त नागरिकों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में जीवन के सभी क्षेत्रों में स्वदेशी के भाव के साथ सनातन संस्कृति और विरासत से विकास के पथ पर देश अग्रसर है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के योगदान के परिणामस्वरूप भारत ने दुनिया में अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी अन्नदाता, युवा, नारी सशक्तिकरण और गरीब सहित सभी वर्गों के लिये समर्पित भाव से निरंतर सक्रिय हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का प्रदेश की धरती पर 17 सितम्बर को शुभागमन हो रहा है। वे पीएम मित्र पार्क की नीव रखेंगे। गरीब परिवार से निकले श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने से देश गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने अपने जन्म दिन पर सेवा पखवाड़े में माताओं-बहनों के लिए सेवा का संकल्प लिया है। %स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार% अभियान में प्रदेश भर में महिलाओं की सभी प्रकार की जांच होंगी, महिला के स्वस्थ होने से परिवार सशक्त होंगे। साथ ही रोजगार के अवसरों के साथ ही प्रदेश में विकास के लिए सभी क्षेत्रों में कार्य हो रहा है। बड़ी संख्या में प्रदेश के किसान कपास उत्पादक हैं, कपास पर केन्द्रित उद्योगों से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं।

जन्मदिन पर मध्यप्रदेश को तोहफों की सौगात देने आ रहे पीएम मोदी

पीएम मित्र पार्क का उदघाटन

● **आठवें राष्ट्रीय पोषण माह, सुमन सखी चैटबॉट आदि सेवा पर्व और एक बगिया मां के नाम**

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपने जन्मदिन के मौके पर मध्य प्रदेश दौरे पर आ रहे है। इस दौरान दोपहर करीब 12 बजे धार में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार और आठवें राष्ट्रीय पोषण माह अभियान का शुभारंभ करने वाले है। इसके साथ ही वे कई अन्य योजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ करने के साथ ही उपस्थित जनसमूह को संबोधित करने वाले है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देश भर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), जिला अस्पतालों और अन्य सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में आयोजित होगा।

इसके तहत एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह देश में महिलाओं और बच्चों के लिए अब तक का सबसे बड़ा स्वास्थ्य अभियान बनेगा। देश भर के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रतिदिन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देश भर की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में एक क्लिक से सीधे धनराशि भी हस्तांतरित करने वाले है। देश की करीब दस लाख महिलाओं को इसका लाभ होगा। प्रधानमंत्री मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सुमन सखी चैटबॉट का शुभारंभ करने वाले है।

यह चैटबॉट ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर और सटीक जानकारी प्रदान करेगा, इससे आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होगी। सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ देश की सामूहिक लड़ाई को आगे बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश के लिए एक करोड़वां सिकल सेल स्क्रीनिंग और परामर्श कार्ड वितरित करने वाले है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश के लिए आदि सेवा पर्व का शुभारंभ करने वाले हैं, जो आदिवासी गौरव और राष्ट्र निर्माण की भावना के संगम का प्रतीक होगा। इस पहल में जनजातीय क्षेत्रों में सेवा-उन्मुख गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल होगी, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कौशल विकास, आजीविका संवर्धन, स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित होगी।

भारतीय वायुसेना की चिंता होगी कमः एचएएल हर माह दो फाइटर जेट्स तेजस एमके-1ए सौंपेगा

● **अमेरिकी कंपनी जीई की ओर से इंजन की सप्लाई में देरी के कारण हुई दिक्कत**

एजेंसी | नई दिल्ली

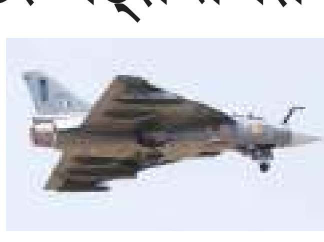

भारतीय वायुसेना इनदिनों लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही है। इस लेकर वह बार-बार चिंता भी जता चुकी है। लेकिन, अब उसकी सबसे बड़ी चिंता जल्द दूर होगी। क्योंकि देसी विमान निर्माता कंपनी एचएएल ने स्वदेसी फाइटर जेट तेजस एमके-1ए के प्रोडक्शन को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। अमेरिकी कंपनी जीई की ओर से इंजन की सप्लाई में देरी और अन्य कारणों से फाइटर जेट की सप्लाई में देरी हो रही थी। दरअसल, तेजस एमके-1ए देश में तैयार एक शानदार फाइटर जेट है। भारत सरकार ने एचएलए को 180 तेजस एमके-1ए विमानों का ऑर्डर दिया है। ये ऑर्डर दो बार में दिए गए। पहला ऑर्डर 83 विमानों का मिला था। पिछले दिनों केंद्रीय कैबिनेट ने फिर से इसतरह के 97 विमानों का ऑर्डर दिया था। इन विमानों की डिलिवरी मार्च 2024 में शुरू होनी थी। लेकिन, अभी तक एयरफोर्स को एक भी विमान की डिलेवरी नहीं हुई है। लेकिन, एचएएल अब अगले माह हर साल में कम से कम दो विमान की आपूर्ति करेगी। इन विमानों में मिसाइलों का टेस्ट परीक्षण किया जा रहा है। मिसाइलों के टेस्ट परीक्षण के बाद ये जेट एयरफोर्स को सौंप दिए जाएंगे। एचएएल के प्रमुख डीके सुनील का कहना है कि यह बात सही है कि तेजस एमके-1ए की सप्लाई में देरी हुई है।

केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

सुविधाएं नहीं दे सकते तो खत्म कर दें सभी ट्रिब्यूनल

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अगर सरकार ट्रिब्यूनल (अर्ध-न्यायिक निकाय) के सदस्यों को बुनियादी सुविधाएं नहीं दे सकती, तो इन सभी ट्रिब्यूनल को खत्म कर दिया जाए और उनके मामलों की सुनवाई हाई कोर्ट में कराई जाए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज पोस्ट-रिटायरमेंट ट्रिब्यूनल में नियुक्ति लेने से हिचकिचा रहे हैं क्योंकि उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिलतीं। इस दौरान बेंच ने कहा, ये जज या तो हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस होते हैं या सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज। उन्हें स्टेशनरी तक के लिए बार-बार अनुरोध करना पड़ता है। यहां तक कि जो कार उन्हें दी जाती है, वह विभाग की सबसे खराब होती है। आप इन पूर्व चीफ जस्टिस और जजों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं? जब सुविधाएं ही नहीं दे सकते तो ऐसे ट्रिब्यूनल बनाने का क्या फायदा?

ऑपरेशन सिंदूर में कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के चिथड़े उड़ गए

इस्लामाबाद। अप्रैल महीने में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर में कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के चिथड़े उड़ गए थे। यह बात किसी ओर ने नहीं एक जैश कमांडर मसूद इलियास ने कैमरे के सामने कबूली है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही मसूद के परिवार के कई सदस्यों के मारे जाने की रिपोर्ट सामने आई थी। लेकिन, अब मसूद के खास आतंकवादी के कबूलनामे ने भारत के दावे पर मुहर लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के बहावलपुर में आतंकवादी ठिकाने पर भारतीय सेना जबर्दस्त प्रहार किया था। इस हमले में मसूद का पूरा परिवार खत्म हो गया था।

उत्तराखंड की टोंस नदी में ट्रैक्टर बहा, आठ लोगों की हुई मौत

एजेंसी | शिमला, देहरादून

उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के कई इलाकों के घरों, दुकानों और मंदिरों में 5-6 फीट तक पानी भर गया। कई सड़कें भी बह गईं।

विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज होने से मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग लापता हैं। वहीं, मालदेवता में सोंग नदी में 5 लोग बह गए, जिसमें से 4 के शव मिल गए हैं जबकि एक लापता है। तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। SDRF, NDRF और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मंगलवार को लैंडस्लाइड से एक मकान ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं मंडी के दरंग में मंगलवार सुबह मंदिर जा रहे दो लोग सुमा खड्?ड के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक का शव मिल गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। धर्मपुर बस स्टैंड पर बारिश के बाद मलबा भर गया। यहां बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया। पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी में भारी बारिश के बाद तीस्ता नदी में पानी बढ़ गया है। इससे जलपाईगुड़ी और आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई है। बाढ़ से करीब 5 हजार लोग प्रभावित हैं। हरियाणा के सिरसा में जलघर में डूबने से व्यक्ति की मौत हुई।

एमपी में कहीं भी हैवी रेन का अलर्ट नहींः अगले तीन दिन हल्की बारिश का दौर रहेगा; अब तक 42.1 इंच पानी गिरा

भोपाल। साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से मध्यप्रदेश के कई जिलों में बारिश जारी है। यह सिस्टम मंगलवार को दूर हो जाएगा। ऐसे में मौसम विभाग ने प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश होने की चेतावनी जारी नहीं की है। अगले 3 दिन हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। भोपाल में सुबह बादल छाए रहे, फिर धूप निकल आई। पिपरिया में दोपहर दो बजे के बाद बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, यदि लोकल सिस्टम की एक्टिविटी रही तो कुछ जिलों में तेज पानी गिर सकता है। इससे पहले सोमवार को भोपाल में दिनभर धूप खिलने के बाद शाम साढ़े 5 बजे बादल बरस पड़े। कई इलाकों में आधा घंटा तक तेज बारिश हुई। रायसेन, सतना, मंडला, पचमढ़ी, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, सिवनी में भी बारिश हुई। रायसेन में सबसे ज्यादा 2 इंच पानी गिर गया। वहीं, सतना में सवा इंच और मंडला-पचमढ़ी में आधा इंच पानी बरसा।

राजस्थान से लौट रहा मानसूनः रविवार को राजस्थान के कई जिलों से मानसून की वापसी हो गई। अगले दो-तीन दिन में पंजाब और गुजरात के कुछ हिस्सों से भी मानसून लौट सकता है। इसके बाद एमपी से भी मानसून की वापसी होने लगेगी। हालांकि, सितंबर में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

संपाकीय

तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर, क्या हम तबाही के करीब पहुंच रहे हैं?

हिमनदों का तेजी से पिघलना जलवायु परिवर्तन और इसके परिणामस्वरूप आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। इससे विनाशकारी बाढ़, जल संकट, समुद्र के स्तर में वृद्धि और पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन जैसे संकट की स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। हिमनदों के पिघलने से पहाड़ों पर नई झीलें बन रही हैं और पहले से बनीं झीलों का दायरा भी बढ़ रहा है, जो कभी भी आसपास के इलाकों में भयंकर तबाही मचा सकती हैं।केंद्रीय जल आयोग की हालिया रपट में कहा गया है कि भारत के हिमालयी क्षेत्र में 432 हिमनद झीलों का आकार चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। इस वर्ष जून के दौरान इन झीलों के जल क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। सवाल यह है कि ये झीलें बढ़ते पानी का दबाव आखिर कब तक झेल पाएंगी? ऐसे में इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि भविष्य में जल का यह अथाह भंडार बड़ी आपदाओं का कारण बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि इन हिमनद झीलों का गहन अध्ययन किया जाए और इनकी नियमित रूप से निगरानी की जाए।केंद्रीय जल आयोग की रपट के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के हिमालयी क्षेत्र में हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं और वहां बनी झीलों का आकार लगातार बढ़ रहा है। भारत में हिमनद झीलों का कुल क्षेत्रफल वर्ष 2011 में 1,917 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़ कर 2,508 हेक्टेयर हो गया। यानी इन झीलों के क्षेत्रफल में 30.83 फीसद की वृद्धि हुई है, जो आसपास की आबादी के लिए कभी भी प्रलयकारी साबित हो सकती। अरुणाचल प्रदेश में सबसे अधिक 197 विस्तारित हिमनद झीलें हैं। इसके बाद लद्दाख में 120, जम्मू-कश्मीर में 57, सिक्किम में 47, हिमाचल प्रदेश में छह और उत्तराखंड में पांच हिमनद झीलों का क्षेत्रफल बढ़ा है। देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान और दून विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भी पाया गया है कि उत्तराखंड में हिमनदों के पिघलने से बन रही झीलों में मिट्टी, मलबा और पत्थर भी जमा हो रहे हैं। प्रदेश में पिछले दस वर्षों में हिमनद झीलों की संख्या 19.2 फीसद तक बढ़ी है। इससे साफ है कि खतरा लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह बात साफ हो चुकी है कि बढ़ता वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन हिमनदों के पिघलने का मुख्य कारण है। इसका नतीजा न केवल विनाशकारी बाढ़ के रूप में देखने को मिल सकता है, बल्कि गंभीर जलसंकट जैसी स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं।

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है। इसके बावजूद तमिलनाडु, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बीजेपी प्रभावी नहीं बन पाई है। इनमें भी तमिलनाडु पार्टी के लिए अब भी प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। पूर्व अधिकारी और तेज-तर्रार नेता अन्नामलाई के आक्रामक अभियान के चलते राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थक आधार दहाई के आंकड़े में पहुंच चुका है। बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब साढ़े ग्यारह प्रतिशत और गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ करीब बीस प्रतिशत वोट मिला था। बीजेपी ही क्यों, राज्य में राजनीतिक और चुनावी कामयाबी हासिल करने वाले किसी भी दल के लिए इतना वोट नाकाफी है। शायद यही वजह है कि बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है।

दक्षिण का द्वार भेदने की राधाकृष्णन कोशिश

(उमेश चतुर्वेदी)

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है।

जगदीप धनखड़ के औचक इस्तीफे से खाली हुए उपराष्टपति पद को नया चेहरा मिल गया है। दक्षिण बनाम दक्षिण की जंग में तमिलनाडु बीजेपी का चेहरा रहे सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्टपति होंगे। झारखंड की धरती से द्रौपदी मुर्मू की तरह उनका भी नाता रहा है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड के सर्वोच्च पद पर रही शख्सियतों के लिए सुनहरा दौर चल रहा है। झारखंड की राज्यपाल रहीं द्रौपदी मुर्मू देश के शीर्ष पर तीन साल पहले से ही काबिज हैं। देश के निर्वाचित उपराष्टपति सीपी राधाकृष्णन भी झारखंड के संवैधानिक प्रमुख के पद की शोभा बढ़ा चुके हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु की तीसरी शख्सियत हैं, जो उपराष्टपति पद पर पहुंचने में कामयाब हुए हैं। इसके पहले तमिलनाडु के सर्वपल्ली राधाकृष्णन और आर वेंकटरमण उपराष्टपति रह चुके हैं।

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है। इसके बावजूद तमिलनाडु, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बीजेपी प्रभावी नहीं बन पाई है। इनमें भी तमिलनाडु पार्टी के लिए अब भी प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। पूर्व अधिकारी और तेज-तर्रार नेता अन्नामलाई के आक्रामक अभियान के चलते राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थक आधार दहाई के आंकड़े में पहुंच चुका है। बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब साढ़े ग्यारह प्रतिशत और गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ करीब बीस प्रतिशत वोट मिला था। बीजेपी ही क्यों, राज्य में राजनीतिक और चुनावी कामयाबी हासिल करने वाले किसी भी दल के लिए इतना वोट नाकाफी है। शायद यही वजह है कि बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्टपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है।

सीपी राधाकृष्णन के सामने उपराष्टपति के रूप में कुछ चुनौतियां जरूर रहेंगी। राधाकृष्णन कामचलाऊ हिंदी समझ तो लेते हैं, दो-एक लाइनें बोल भी लेते हैं। उपराष्टपति के रूप में राधाकृष्णन की जिम्मेदारी राज्यसभा की कार्यवाही चलाना होगी। राज्यसभा में ज्यादातर सांसद हिंदीभाषी हैं और वे अपनी बात हिंदी में ही रखते हैं, हंगामा भी हिंदी में करते हैं और बहसें भी हिंदी में ही करते हैं। राधाकृष्णन को इन पर पार पाने के लिए मेहनत करनी होगी। वैसे वे कहते रहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय छवि बनाने के लिए हिंदी बोलना जरूरी है। वे तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति की तरह हिंदी के विरोधी नहीं है। वे हिंदी सीखना भी चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अब उन्हें कामचलाऊ से कुछ ज्यादा हिंदी तो सीखनी ही पड़ेगी।

मोदी और शाह की जोड़ी ने तमिलनाडु को साधने के लिए रणनीतिक तौर पर खूब कोशिशें की हैं। संसद के नए भवन में तमिल राजदंड के प्रतीक सेंगोल की स्थापना हो या फिर वाराणसी में तमिल-काशी संगम का आयोजन हो, तमिल जनमानस तक मोदी और बीजेपी की बैठ बढ़ाने की कोशिश का ही प्रतीक है। अक्टूबर 2019 में चीन के राष्टपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया था। उस वक्त जिनपिंग का मोदी ने तमिलनाडु के खूबसूरत पर्यटक स्थल महाबलिपुरम में स्वागत किया था। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल महाबलिपुरम तमिलनाडु के पल्लव राजवंश के दौरान विकसित भारतीय कला का प्रतीक है। इस मुलाकात को भी तमिलनाडु की जनता को साधने की बीजेपी और मोदी की कोशिश के रूप में देखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी का अरियलूर जिले के गंगैकोंड चोलपुरम का दौरा हो या यहां के नजदीक स्थित बृहदीश्वर मंदिर में पूजा अर्चना हो, सबका संदेश एक ही है, तमिलनाडु के दिलों में अपनी पैठ बनाना। ध्यान देने की बात यह है कि तमिलनाडु का चोल राजवंश बहुत प्रभावी रहा है। ग्यारहवीं सदी से लेकर तेरहवीं सदी तक गंगैकोंड चोलपुरम् चोल वंश की राजधानी रहा।

सीपी राधाकृष्णन् तमिलनाडु में बीजेपी का बड़ा चेहरा रहे हैं। 1998 और 1999 में कोयंबटूर से बीजेपी के सांसद रहे सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में तमिल मोदी के तौर पर भी प्रसिद्ध हैं। इस नाते तमिलनाडु कह सकता है कि

देश के शीर्ष पदों पर दो-दो मोदी हैं। राधाकृष्णन राज्य में पिछड़े वर्ग में शामिल गौंडर जाति से आते हैं। इस जाति का विस्तार विशेष रूप से तमिलनाडु के पश्चिमी इलाके में है। दिलचस्प यह है कि इस जाति के वोटर कन्नड़ ब्राह्मण महिला जे जयललिता की अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम के समर्थक माने जाते हैं। यह बात और है कि अन्नाद्रमुक की अगुआई कर रहे ई पलानिसामी और बीजेपी के फायरब्रांड नेता अन्नामलाई भी इसी बिरादरी के हैं। इस लिहाज से देखें तो सीपी राधाकृष्णन को बीजेपी ने शीर्ष पर बैठाकर गौंडर समुदाय को साधने की कोशिश की है। यह एक तरह से अन्नाद्रमुक को भी संकेत है। सीपी राधाकृष्णन के वैसे तो राज्य के तकरीबन हर दल के शीर्ष नेतृत्व से बेहतर संबंध है, लेकिन वे अन्नाद्रमुक के बेहद करीबी रहे हैं। 2010 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक ने उन्हें पार्टी में शामिल होने और चुनाव लड़ने का खुला आमंत्रण दिया था। अगर वे शामिल होते और चुनाव लड़ते तो तमिल सत्ता में उनकी हिस्सेदारी तय थी। लेकिन राधाकृष्णन ने अपनी प्रतिबद्धता नहीं तोड़ी। बहरहाल राधाकृष्णन के उपराष्टपति बनने के बाद अन्नाद्रमुक को एक तरह से साथ आने का भी संदेश है। क्योंकि बीजेपी को भी आभास है कि तमिलनाडु की राजनीति में शीर्ष स्थान पर अकेले पहुंचना फिलहाल संभव नहीं है।

आजादी के बाद से ही तमिलनाडु की राजनीति में पिछड़ा और दलित समुदाय का प्रभुत्व रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में अगड़ा समुदाय एक तरह से किनारे पर आजादी के बाद से ही है। चूंकि बीजेपी की राज्य में सवर्ण जातियों की उत्तर भारतीय पार्टी की छवि है। तमिलनाडु में बीजेपी के उभार की बड़ी बाधा यह वजह भी रही है। गौंडर समुदाय के राधाकृष्णन को उपराष्टपति बनाकर बीजेपी ने एक तरह से अपनी वह छवि तोड़ने की कोशिश की है। बेशक गौंडर समुदाय बहुत बड़ा नहीं है। लेकिन उसकी शख्सियत को देश के दूसरे सर्वोच्च पद पर पहुंचाकर मोदी-शाह की जोड़ी ने एक तरह राज्य के पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को संकेत दिया है कि बीजेपी उनकी वैचारिकी और सोच का सम्मान करती है। वह सवर्ण नहीं, सर्व समाज की पार्टी है। निश्चित तौर पर आज भारतीय जनता पार्टी का उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत में प्रभाव है। पारंपरिक और प्रचलित राजनीतिक नजरिए के लिहाज से वह उपराष्टपति के सम्मानित पद पर देश के इन इलाकों के अपने किसी प्रतिबद्ध और प्रतिष्ठित कार्यकर्ता को पहुंचा सकती थी। लेकिन उसने ऐसा न करके तमिलनाडु के अपने कार्यकर्ता पर विश्वास जताया। यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि केरल की पिछली विधानसभा चुनाव के दौरान सीपी राधाकृष्णन केरल बीजेपी के प्रभारी थे। राधाकृष्णन जिस तिरूपुर इलाके से आते हैं और जिस कोयंबटूर के सांसद रहे हैं, वह केरल का नजदीकी है। इस लिहाज से मान सकते हैं कि बीजेपी ने उनके जरिए भगवान के अपने देश यानी केरल को भी साधने की कोशिश की है।

तमिलनाडु और केरल में अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। कह सकते हैं कि इन राज्यों में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। तमिलनाडु में जिस गठबंधन के पास पैंतीस प्रतिशत वोट होगा, उसकी जीत सुनिश्चित है। पिछले आम चुनाव में अन्नाद्रमुक को करीब साढ़े बीस प्रतिशत वोट मिले थे। अन्नाद्रमुक के साथ राज्य में उसका गठबंधन बन चुका है। पिछले आम चुनाव में मिले दोनों को मिल वोट को जोड़ दें तो यह तकरीबन बत्तीस प्रतिशत पड़ता है। सीपी राधाकृष्णन के चेहरे के सहारे बीजेपी अपने गठबंधन के वोट प्रतिशत में पांच प्रतिशत की बढ़त करने की तैयारी में है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सादगी, ताक़त और आधुनिकता का संगम है मोदी के मंत्रियों की संपत्ति का ब्यौरा

(नीरज कुमार दुबे)

इसके विपरीत, कई मंत्रियों ने पुराने वाहन अपनी संपत्ति में शामिल किए हैं। नितिन गडकरी की 31 साल पुरानी एम्बेसडर कार, विरेंद्र कुमार का 37 साल पुराना स्कूटर और रवनीत बिट्टू की 1997 मॉडल की मारुति, ये सब केवल धातु के ढाँचे नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए मंत्रिपरिषद के सदस्यों की संपत्ति का विवरण जारी किया गया है। पहली नज़र में यह सूची केवल आभूषण, ज़मीन, गाड़ियाँ और निवेशों का ब्योरा लगती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह भारतीय राजनीति की मानसिकता, सामाजिक प्रतीकवाद और सत्ता की शैली का आईना बन जाती है। सबसे पहले ध्यान आकर्षित करता है जयंत चौधरी का क्रिप्टो निवेश। वह अकेले मंत्री हैं जिन्होंने डिजिटल संपत्ति घोषित की है। उन्होंने करीब 43 लाख रुपये के बिटकॉइन जैसे निवेश किये हैं। यह उस समय में खास महत्व रखता है जब भारत में क्रिप्टो अब भी कानूनी अनिश्चितता में है और आरबीआई लगातार इससे जुड़े जोखिमों की चेतावनी देता रहा है। यह खुलासा दिखाता है कि नए दौर का नेतृत्व जोखिम लेने और नए वित्तीय प्रयोग करने से पीछे नहीं हट रहा।

इसके विपरीत, कई मंत्रियों ने पुराने वाहन अपनी संपत्ति में शामिल किए हैं। नितिन गडकरी की 31 साल पुरानी एम्बेसडर कार, विरेंद्र कुमार का 37 साल पुराना स्कूटर और रवनीत बिट्टू की 1997 मॉडल की मारुति, ये सब केवल धातु के ढाँचे नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश हैं। जनता को यह बताना कि नेता अब भी 'साधारण' हैं, विलासिता से दूर हैं और परंपरा को सँजोए हुए हैं। लेकिन इस सादगी के बीच एक और पैटर्न साफ़ झलकता है– हथियारों की मौजूदगी। रिवॉल्वर, पिस्तौल और राइफल घोषित करने वाले मंत्री कम नहीं हैं। यह उस सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति को दर्शाता है जहाँ ताक़त का प्रदर्शन और व्यक्तिगत सुरक्षा सत्ता के साथ कदमताल करती है।

सबसे बड़ा हिस्सा, अपेक्षा के अनुसार सोने और आभूषणों का है। राव इंदरजीत सिंह के पास 1.2 करोड़ रुपये से अधिक का सोना और हीरे हैं, नितिन गडकरी व एल. मुरुगन के पास भी लाखों के आभूषण हैं। देखा जाये तो भारतीय समाज में आभूषण सदियों से आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा दोनों का प्रतीक रहे हैं, मंत्रियों की संपत्ति भी इस परंपरा को दोहराती है।

मोदी सरकार में महिला मंत्रियों की बात करें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास 27 लाख से अधिक के आभूषण, म्यूचुअल फंड में 19 लाख से ज्यादा और एक दोपहिया वाहन है। वहीं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के पास भी रिवॉल्वर, राइफल, ट्रैक्टर और लगभग ?1 करोड़ के म्यूचुअल फंड हैं। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के पास डबल बैरल गन और रिवॉल्वर तथा 67 लाख से ज्यादा के सोने के आभूषण हैं।

देखा जाये तो इन संपत्तियों का सार्वजनिक खुलासा लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की कसौटी है। यह जनता को भरोसा दिलाने का प्रयास भी है कि नेता अपनी आर्थिक स्थिति छिपा नहीं रहे। लेकिन इन घोषणाओं का एक दूसरा पहलू भी है कि संपत्ति अब केवल निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतीक बन गई है।

बहरहाल, मोदी सरकार के मंत्रियों की घोषित संपत्तियाँ केवल रकम और वस्तुओं का हिसाब नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की बदलती शैली का दस्तावेज़ हैं। यह दस्तावेज़ बताता है कि सत्ता में बैठे लोग जनता को साधारण, शक्तिशाली, पारंपरिक और आधुनिक, सभी रूपों में संदेश देना चाहते हैं। सवाल यह है कि क्या ये संदेश वास्तविक जीवन की सच्चाई हैं या केवल राजनीतिक छवि गढ़ने का प्रयास?(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन (17 सितंबर) पर विशेष

मोदी की बातों में है माटी की महक, प्रधानमंत्री का संवाद देश और दिलों को जोड़ता है

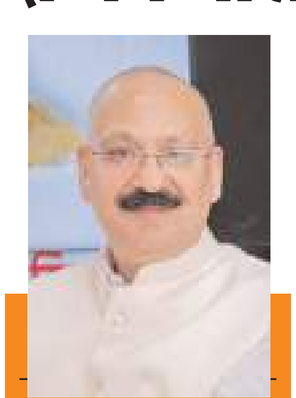

प्रो.संजय द्विवेदी

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना 75 वां जन्मदिन बुधवार को मनाएंगे। उनकी जीवन यात्रा रचना, सृजन और संघर्ष की त्रिवेणी है। उनके व्यक्तित्व का सबसे खास पक्ष है संचार और संवाद। भारत जैसे महादेश को संबोधित करना आसान नहीं है। इस विविधता भरे देश में वाक् चातुर्य से भरे विद्वानों, राजनेताओं, प्रवचनकारों और अदीबों की कमी नहीं है। अपनी वाणी से सम्मोहित कर लेने वाले अनेक विद्वानों को हमने सुना और परखा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षमताएं उनमें विलक्षण हैं। वे हमारे समय के अप्रतिम संचारकर्ता हैं। संचार का विद्यार्थी होने के नाते मैं उनकी तरफ बहुत विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखता हूं, किंतु वे अपनी देहभाषा, भाव-भंगिमा, शब्दावली और वाक् चातुर्य से जो करते हैं, उसमें कमियां ढूंढ पाना मुश्किल है। उनका आत्मविश्वास और शैली तो विलक्षण है ही, वे जो कहते हैं उस बात पर भी सहज विश्वास करने का मन होता है। मोदी सही मायने में संवाद के महारथी हैं। वे जनसभाओं के नायक हैं तो एक्स जैसे नए माध्यमों पर भी उनकी तूती बोलती है। पारंपरिक मंचों से लेकर आधुनिक सोशल मीडिया मंचों पर उनकी धमाकेदार उपस्थिति बताती है संवाद और संचार को वे किस बेहतर अंदाज में समझते हैं। गुजरात के एक छोटे से कस्बे बड़नगर में पले-बढ़े नरेंद्र मोदी में ऐसा क्या है जो लोंगों को सम्मोहित करता है? उनकी राजनीतिक यात्रा भी विवादों से परे नहीं रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिस तरह निशाना बनाकर उनकी छवि मलिन करने के सचेतन प्रयास हुए, वे सारे प्रसंग लोकविमर्श में हैं। बावजूद इसके वे हिंदुस्तानी समाज के नायक बने हुए हैं तो इसके पीछे उनकी संप्रेषण कला और देहभाषा का अध्ययन प्रासंगिक हो जाता है। नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो कभी सांसद नहीं थे और पहली बार लोकसभा पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री बने। 2014 के आमचुनावों की याद करें तो देश किस तरह निराशा और अवसाद से भरा हुआ था। लोग राजनीति और राजनेताओं से उम्मादें छोड़ चुके थे। अन्ना आंदोलन से एक अलग तरह का गुस्सा लोगों के मन में पनप रहा था। तभी एक आवाज गूंजती है 'मैं देश नहीं झुकने दूंगा।' दूसरी आवाज थी 'अच्छे दिन आने वाले हैं।' ये दो आवाजें थीं नरेंद्र मोदी की, जो देश को एक विकल्प देने के लिए मैदान में थे। राजनीति में आश्वासनपरक आवाजों का बहुत मतलब नहीं होता, क्योंकि राजनीति तो सपनों और आश्वासनों के आधार पर ही की जाती है। किंतु नरेंद्र मोदी ने इस दौर में जो कुछ कहा उसे देश ने बहुत ध्यान से सुना। उनका दल लंबे समय से सत्ता से

बाहर था और वे अपने दल की ओर से प्रधानमंत्री के उम्मीदवार बनाए जा चुके थे। जाहिर है अवसाद और निराशा से भरी जनता को एक अवसर था परख करने का। मोदी इस अवसर का लाभ उठाते हैं और जनता के मन में भरोसा जगाने का प्रयास करते हैं। वे लगातार अपनी सभाओं में कहते हैं कि वे ही इस देश को उसके संकटों से उबार सकने की क्षमता से लैस हैं। जनता मुग्ध होकर उनके भाषणों को सुनती है। अपनी अप्रतिम संवादकला से वे लोगों में यह भरोसा जगाने में सफल हो जाते हैं कि वे कुछ कर सकते हैं। 2014 में मोदी सत्ता में आते हैं और संचार के सबसे प्रभावकारी माध्यम को साधते हैं। वे आकाशवाणी पर 'मन की बात' के माध्यम से लोगों से संवाद का अवसर चुनते हैं। यानि उनका संवाद अवसर और चुनाव केंद्रित नहीं है, निरंतर है। उनमें एक सातत्य है। बदलाव के लिए, परिवर्तन के लिए, लोकजागरण के लिए। वे मन की बात को राजनीतिक विमर्शों के बजाए लोकविमर्शों का केंद्र बनाते हैं। जिसमें जिंदगी की बात है, सफाई की बात है, शिक्षा और परीक्षा की बात है, योग की बात है। मन की बात के माध्यम से वे खुद को एक ऐसे अभिभावक की तरह पेश करने में सफल होते हैं, जिसे देश और देशवासियों की चिंता है। संवाद की यही सफलता है और यही उसका उद्देश्य है। अपने लक्ष्य समूह को निरंतर अपने साथ जोड़े रखना मोदी की संवाद कला की दूसरी सफलता है। करोना संकट में भी हमने देखा कि उनकी अपीलों को किस तरह जनमानस ने स्वीकार किया, चाहे वे करोना वारियर्स के सम्मान में दीप जलाने और थाली बजाने की ही क्यों न हों। यह बातें बताती हैं कि अपने नायक पर देश का भरोसा किस तरह कायम है। मोदी अपनी देहभाषा से कमाल करते हैं। कई बार चौंकाते भी हैं। देश की गहरी समझ भी इसका बड़ा कारण है, यही कारण है वे देश के जिस हिस्से में होते हैं वहां की स्थानीय बोली, वस्त्रों और प्रतीकों का सचेत इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही उनकी पोशाकें, उनका हाफ कुर्ता, जैकेट्स आज एक तरह से स्टाइल स्टेटमेंट है। उनका अनुसरण कर नौजवान आज खद्दर और सूती कपड़ों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हम विश्लेषण करें तो पाते हैं कि उनका समर्पित जीवन और ईमानदारी से उनकी वाणी का भी एक रिश्ता है। जब हम सिर्फ बोलते हैं तो उसका असर अलग होता है। किंतु अगर हम जो बोलते हैं उसमें कृतित्व भी शामिल हो तो बात का असर बढ़ जाता है। नरेंद्र मोदी अपनी असंदिग्ध ईमानदारी, राष्टनिष्ठा और देशभक्ति के प्रतीक हैं। उनका समूचा जीवन राष्ट के लिए अर्पित है। ऐसा व्यक्ति जब कोई बात कहता है तो उसका असर बहुत ज्यादा होता है। क्योंकि आपकी वाणी को आपके जीवन का समर्थन है। सिर्फ देश की बात करना और देश के लिए जीना दो बातें हैं। मुझे लगता है जीवन और कर्म में एक रूप होने के नाते मोदी बाकी राजनेताओं से बहुत आगे निकल जाते हैं। क्योंकि उनकी राष्टनिष्ठा पर सबको भरोसा है, इसलिए उनकी वाणी पर भी सहज विश्वास आता है। इस तरह उनकी वाणी 'भाषण' न होकर 'ह्दय से ह्दय के संवाद' में बदल जाती है। लोंगों को भरोसा है कि वे हमारी ही बात कर रहे हैं और हमारे लिए ही कर रहे हैं। मोदी ने अपनी साधारण पृष्ठभूमि की बात कभी छिपाई नहीं, जब भी उनकी साधारण स्थितियों का मजाक बनाया गया तो उसे भी उन्होंने एक सफल अभियान में बदल दिया। 'चाय पर चर्चा' का कार्यक्रम किस तरह बना, उसके संदर्भ हम सबके ध्यान में हैं। नरेंद्र मोदी सही मायने में सामान्य जनों में भरोसा जगाते हैं कि अगर संकल्प हों, इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति क्या नहीं कर सकता। यह एक बात लोगों को उनसे कनेक्ट करती है। अनेक राजनेता हैं, जो साधारण पृष्ठभूमि से आए हैं। किंतु उनका या तो अपनी जड़ों से उनका रिश्ता टूट गया है या वे उन विथिकाओं को याद नहीं करना चाहते। जबकि नरेंद्र मोदी अपनी जड़ों को नहीं भूलते वे हमेशा उसे याद करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं। यही कारण है उनका कनेक्ट सीधा जनता से बनता है। वे प्रधानमंत्री होकर भी अपने से नजर आते हैं। संचार, संवाद और पोजिशिनिंग की यह कला उनमें सहज है। बिना जतन के भी वे इन सबको साधते हैं और साधते रहेंगें क्योंकि आसमान पर होकर भी माटी की सोंधी महक उन्हें जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए उनका संवाद दिलों को जोड़ता है, देश को भी।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, बुधवार 17 सितंबर 2025

बांधवगढ़ में जंगली हाथियों के निवास को देखते हुए यह आयोजन जन जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही यह हाथियों के संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है...

24 से 30 सितंबर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में...

हाथी महोत्सव

हाथियों की स्वास्थ्य जांच, मालिश और विशेष आहार की व्यवस्था में जुटा प्रबंधन

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सात दिवसीय हाथी महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह महोत्सव रामा कैंप में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 15 हाथियों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। महोत्सव की तैयारियों में टाइगर रिजर्व प्रबंधन जुटा हुआ है। महोत्सव में हाथियों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। चरण गंगा नदी में हाथियों को स्नान कराया जाएगा। महावत उनकी मालिश करेंगे। हाथियों को नारियल, गन्ना, गुड़, केला, सेब और रोटी जैसा विशेष भोजन दिया जाएगा।डॉक्टरों की टीम हाथियों का संपूर्ण चिकित्सकीय परीक्षण करेगी। इसमें डिवॉर्मिंग, पैर और दांतों की जांच शामिल है। इन सात दिनों में हाथियों से कोई काम नहीं लिया जाएगा। वे कीचड़ स्नान और तालाब में जल क्रीड़ा का आनंद लेंगे। महावतों और सहायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। इनमें हाथियों की देखभाल और व्यवहार संबंधी जानकारी दी जाएगी। पर्यटकों को भी हाथियों की देखभाल की प्रक्रिया को नजदीक से देखने का मौका मिलेगा। हाथी महोत्सव में आस पास के ग्रामीण और बांधवगढ़ से जुडे हुए पर्यटक भी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पहुंचते हैं। यह महोत्सव भारत की सांस्कृतिक विरासत में हाथियों के महत्व को दर्शाता है।

राजनीतिक नियुक्तियों के साथ होगा मंत्रिमंडल विस्तार

पितृपक्ष के बाद मप्र में बदलेगा राजनीतिक परिदृश्य

भोपाल। छत्तीसगढ़ के बाद अब जल्द ही मप्र में कैबिनेट विस्तार होने जा रहा है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच निगम, मंडल और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्ति और मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हो चुकी है। संभावना जताई जा रही है कि पितृपक्ष के बाद राजनीतिक नियुक्तियों के साथ मंत्रिमंडल विस्तार की दिशा में सरकार आगे कदम बढ़ाएगी। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निगम, मंडल और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्ति और मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से कई बार मुलाकात कर चुके हैं। बताया जाता है कि आलाकमान ने मप्र की सत्ता और संगठन के प्रमुखों को फ्री-हैंड दे दिया है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि मप्र में सत्ता-संगठन के लंबित मामलों पर पितृपक्ष के बाद फैसले होने लगेंगे। भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम, निगम-मंडलों में दर्जा मंत्रियों की ताजपोशी और मंत्रिमंडल विस्तार/फेरबदल का भी बेसब्री से इंतजार हो रहा है।

आधा दर्जन मंत्रियों पर तलवार

सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल में फेरबदल में आधा दर्जन से ज्यादा मंत्रियों को बाहर किया जा सकता है। कुछ मंत्रियों ने स्वयं मंत्रिमंडल से हटने की इच्छा जताई है, क्योंकि वे अपने विभागों में प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रहे हैं। इस फेरबदल में उन मंत्रियों पर विशेष नजर है, जिनका प्रदर्शन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रदेश कार्यकारिणी, निगम-मंडल से लेकर मंत्रिमंडल के मामले में भी नवरात्रि से फैसले शुरू हो जाएंगे। मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट भी तेज हो गई है।

संगठनात्मक बदलाव की संभावना

मंत्रिमंडल फेरबदल के साथ-साथ संगठन में भी बड़े बदलाव की संभावना है। प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के अलावा, निगम-मंडलों और विकास प्राधिकरणों में नियुक्तियां जल्द करने की योजना है। यह कदम कार्यकताओं की नाराजगी को कम करने और संगठन को मजबूत करने के लिए उठाया जा सकता है। इसके अलावा, आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी नए चेहरों को मौका देने और क्षेत्रीय व जातिगत संतुलन बनाए रखने की रणनीति पर भी काम कर रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल की नियुक्ति को सवा दो महीने बीत चुके हैं।

न्यूज. ब्रीफ

अब हर चोट की तस्वीर होगी सबूत

भोपाल। मारपीट, दुर्घटना, एसिड अटैक या किसी भी कारण से होने वाले चोट के मामलों में अब फोटो अनिवार्य साक्ष्य होंगे। पुलिस और मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) बनाने वाले डॉक्टर को घायल की चोटों के फोटो लेना जरूरी कर दिया गया है। इन फोटो को न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से पुख्ता प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्त, सभी जिलों, रेल और अजाक के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से सभी सीएमएचओ को पत्र भेजा जाएगा ताकि एमएलसी तैयार करने वाले डॉक्टर इस नियम का पालन करें। अभी तक फोटो नहीं लेते थे अब तक डॉक्टर अपनी रिपोर्ट में केवल घाव की लंबाई और गहराई लिखते थे, लेकिन फोटो नहीं लेते थे। इस व्यवस्था की आवश्यकता तब महसूस हुई जब झाबुआ जिले के मारपीट मामले में जुलाई 2025 में हाई कोर्ट इंदौर खंडपीठ ने चोट के फोटो न होने पर आपत्ति जताई थी। उस मामले में न तो घायलों को अस्पताल ले जाने वाले पुलिसकर्मी ने फोटो लिए थे और न ही डॉक्टर ने। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा ने आदेश जारी कर दिया कि हर चोट के फोटो सुरक्षित रखे जाएं ताकि आवश्यकता पड? पर उन्हें कोर्ट में प्रस्तुत किया जा सके।

मप्र में पहली बार कोदो-कुटकी की खरीदी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार पहली बार किसानों से कोदो-कुटकी खरीदेगी। इसकी शुरूआत जबलपुर के कुंडम तहसील से हो रही है। 15 सितंबर से सरकार को फसल बेचने वाले किसानों का पंजीयन शुरू हो गया है। कुंडम तहसील में करीब सात हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों ने कोदो-कुटकी की खेती की है। सरकार ने 2500 रुपये प्रति क्विंटल कोदो और 3500 रुपये प्रति क्विंटल कुटकी की दर निर्धारित की है। खरीदी का काम फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) को दिया गया है। यह खरीदी धान-गेहूं और उड़द-मूंग की तरह नहीं होगी। इसमें प्रदेश सरकार सिर्फ खरीदी का काम संभालेगी और जो भी फसल खरीदी जाएगी, उसका भुगतान श्री अन्न फेडरेशन कंपनी भोपाल करेगी। खरीदी में सरकार समन्वय की भूमिका निभाने के साथ किसानों को समर्थन मूल्य भी देगी। राज्य सरकार 10 रुपये प्रति किलो समर्थन मूल्य देगी। प्रशासन ने यह जिम्मा कृषि विभाग को सौंपा है। जिसके बाद विभाग, किसानों से फसल खरीदने के लिए एफपीओ चयनित करेगा।

हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर करने की मांग

भोपाल। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के बयानों से नाराज वकील पुलिस कमिश्नर से मिलने पहुंचे। जहां उन्हें कमिश्नर से मिलने नहीं दिया गया है, जिससे गर्मागर्मी की स्थिति बन गई। वे तिवारी पर एफआईआर की मांग कर रहे थे। इससे पहले वरिष्ठ एडवोकेट सैयद साजिद अली ने लोगों से अपील की कि वह इकट्ठे हों और भोपाल की गंगा-जमुनी तहजीब की हिफाजत के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। इसके बाद बड़ी संख्या में वकील और आमजन पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंच गए। अली की अपील को देखते हुए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से वहां पहुंचे लोगों को पुलिस कमिश्नर से नहीं मिलने दिया, तो वहां तनातनी की स्थिति बनी। एडवोकेट अली का कहना है कि तिवारी लगातार ऐसे बयान (भाषण) दे रहे हैं, जो भोपाल की गंगा-जमुनी तहजीब को नुकसान पहुंचा सकते हैं। पुलिस ने कमिश्नर कार्यालय के बाहर वकीलों और आम लोगों की आवाजाही पर फिलहाल रोक लगा दी है।

मप्र की राजनीति में परिवारवाद का दबदबा

21 प्रतिशत नेता परिवार की राजनीतिक विरासत को बढ़ा रहे

भोपाल। मप्र में इनदिनों भाजपा और कांग्रेस में संगठन विस्तार हो रहा है। इसके लिए दोनों पार्टियों ने परिवारवाद पर नकेल कस रही है। भाजपा ने हाल ही में जिला कार्यकारिणियों से नेताओं के परिजनों को हटाया, लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनाव के टिकट दिए। ऐसा ही हाल कांग्रेस का भी है। इसके उलट विधानसभा और लोकसभा चुनाव में तस्वीर उलट दिख रही है। कई पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके बच्चों और रिश्तेदारों को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा गया। मध्य प्रदेश में वर्तमान में पति और पत्नी सांसद और विधायक हैं। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही 270 जनप्रतिनिधियों में 57 नेता यानी 21 प्रतिशत को राजनीति विरासत में मिली है। दरअसल, मप्र सहित देश की राजनीति में परिवारवाद को लेकर बहस जारी है। इस बीच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर)ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश में लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में कुल 5204 सांसद और विधायक है। इनमें से 1107 यानी लगभग 21 प्रतिशत ऐसे लोग

हैं, जिनका राजनीतिक जुड़ाव किसी राजनीतिक परिवार से है। इसका मतलब यह है कि हर 5 में से एक जनप्रतिनिधि का संबंध किसी राजनीतिक परिवार से है। रिपोर्ट के मुताबिक मप्र के 230 विधायकों में से 48 विधायकों के परिवार राजनीति से जुड़े हैं। इसमें भाजपा के 28, तो कांग्रेस के 20 विधायक शामिल हैं। वहीं 9 सांसदों में अधिकांश महिला सांसद वंशवाद की राजनीति को आगे बढ़ा रही हैं। विधानसभा में भाजपा का परिवारवाद मप्र के 230 विधायकों में 48 विधायकों को राजनीति विरासत के तौर पर मिली है। भाजपा के 163 विधायक में से 28 विधायक अपने परिवार की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल हरसूद से विधायक हैं। इनके पिता विजय खंडेलवाल सांसद रह चुके हैं। मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के पिता कैलाश सारंग भाजपा के संस्थापक सदस्य और राज्यसभा सांसद रहे। 8 महिला विधायकों ने भी वंशवाद के जरिए राजनीति में कदम रखा है। गोविंदपुरा सीट से भाजपा विधायक कृष्णा गौर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की बहू हैं। बाबूलाल गौर ने भोपाल की राजनीति पर दशकों तक दबदबा बनाए रखा और 2004 से 2005 तक मप्र के मुख्यमंत्री भी रहे। सिद्धार्थ तिवारी के पिता सुंदरलाल तिवारी सांसद और दादा श्रीनिवास तिवारी मप्र विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। सुरेंद्र पटवा अपने चाचा पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। जावद से विधायक ओम प्रकाश सकलेचा को भी पिता पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सकलेचा से विरासत में राजनीति मिली। इसी तरह मालिनी गौड़, प्रतिभा बागरी, विक्रम सिंह, उमाकांत शर्मा जैसे कई विधायक भी पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। कांग्रेस में परिवारवादी विधायक मप्र में कांग्रेस के 63 में से 20 विधायक राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह तीसरी पीढ़ी हैं, जो परिवार की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। सीधी के चुरहट से विधायक अजय सिंह कांग्रेस का बड़ा चेहरा हैं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। अजय सिंह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के दिग्गज कांग्रेसी नेता अर्जुन सिंह के बेटे हैं। अर्जुन सिंह 2 बार मप्र के मुख्यमंत्री और 2 बार केंद्रीय मंत्री भी रहे। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को राजनीति की विरासत चाची जमुना देवी से मिली, जो उपमुख्यमंत्री रह चुकी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय के बेटे जयवर्धन इस समय मध्य प्रदेश के सबसे सक्रिय कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। इनके चाचा लक्ष्मण सिंह भी विधायक और सांसद रहे। पूर्व मंत्री कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रांत भूरिया और हेमंत कटारे भी अपने पिता सत्यदेव कटारे की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी तरह सतना विधायक डब्बू सिद्धार्थ कुशवाह, बघेल सुरेंद्र सिंह हनी, झूमा सोलंकी जैसे विधायकों को भी राजनीति विरासत में मिली है।

9 सांसद बढ़ा रहे परिवारवाद

मप्र में लोकसभा और राज्यसभा में 9 सांसद परिवारवार को आगे बढ़ा रहे हैं।मप्र में 29 लोकसभा सांसद हैं। इनमें से 5 परिवार की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। इनमें से 4 महिला सांसद हैं। पुरुषों में एकमात्र नाम गुना-शिवपुरी से सांसद केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का है। उनके पिता माधवराव सिंधिया, दादी विजयाराजे सिंधिया, बुआ वसुंधरा राजे और यशोधरा राजे सिंधिया भी राजनीति में हैं। बालाघाट सांसद भारती पारधी के ससुर भोलाराम पारधी सांसद रहे हैं। रतलाम सांसद अनिता चौहान के पति नागर सिंह चौहान राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। सागर सांसद लता वानखेड़े के पति नंद किशोर वानखेड़े भाजपा में पदाधिकारी रहे हैं। शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह पूर्व सांसद दलबीर सिंह की बेटी हैं। वहीं राज्यसभा में मप्र की 11 सीटें हैं।

सरपंच अपने अधिकारियों के लिए ३ नवंबर से सडक पर उतरेंगे

भोपाल में होगा प्रदेश स्तरीय सम्मेलन

ाी सेंगर ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद संबद्ध अखिल भारतीय पंचायत परिषद दिल्ली के बैनर तले आवाहन किया जा रहा है।

भोपाल। प्रदेश भर के सरपंच अपने अधिकारियों के लिए 3 नवंबर से सडक पर उतरेंगे यह घोषणा सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद संबद्ध अखिल भारतीय पंचायत परिषद दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर ने की। राजधानी भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि उनके इस आंदोलन को सरपंचों के साथ त्रिस्तरीय पंचायतों का समर्थन प्राप्त है। जिनमें जिला पंचायत सदस्य संघ, जनपद पंचायत अध्यक्ष संघ, जनपद सदस्य संघ प्रदेश पंच शामिल है। श्री सेंगर ने बताया कि प्रदेश के त्रिस्तरीय पंचायतों के जनप्रतिधियों में सरकार के प्रति रोष व्याप्त है। यह बात उनके प्रदेश भर में भ्रमण के दौरान विभिन्न संभागों जिलों और जनपद स्तर पर आयोजित सम्मेलन और संवाद में सामने आई। श्री सेंगर ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में पंचायती राज के हक और अधिकार पर चोट किया जा रहा। जिसका समाधान किसी स्तर में जानबूझ कर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद की भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय विशेष समिति की बैठक में लिया गया। उन्होंने बताया कि आगामी 3 नवम्बर को त्रिस्तरीय पंचायतों के भोपाल में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय आंदोलन के लिए प्रदेश में जिलावार संपर्क कर बैठकें की जा रही हैं। श्री सेंगर ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद संबद्ध अखिल भारतीय पंचायत परिषद दिल्ली के बैनर तले आवाहन किया जा रहा है,जिसको भरपूर समर्थन मिल है। जिसकी सफलता को देखते हुए सरपंचों का नुकसान करने वाले राजनीतिक पार्टियों से समर्थित संगठन लोगों के द्वारा तारीख परिवर्तित कर भ्रामक जानकारी लोगो के बीच पहुंचा रहे हैं। ऐसे लोगों से सरपंच साथियों को सावधान और सचेत रहने कि आवश्यकता है। मालूम हो कि मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद भोपाल ने विधिवत बैठक कर निर्णय लिया गया है। पत्रकार वार्ता में श्री सेंगर के अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद त्रिपाठी, प्रदेश महासचिव शरद पाराशर, नीलेश तिवारी और सैयद मसूद पटेल मौजूद रहे।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 2 सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

कोलार सिक्सलेन के निर्माण में पेड़ों की कटाई का मामला एनजीटी में पहुंचा

भोपाल। भोपाल के कोलार सिक्सलेन के निर्माण में कुल 4105 पेड़ों की कटाई का मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में पहुंचा है। एनजीटी ने पेड़ काटने पर आपत्ति ली है और अगले 2 सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। 10 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। पेड़ काटे जाने के मामले में एनजीटी में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया कि हॉर्टिकल्चर अस्सिटेंट कमिश्नर द्वारा दी गई अनुमति अवैध है। इस पर भोपाल नगर निगम के अफसरों ने कहा कि आदेश ट्री ऑफिसर ने ही दिया था। असिस्टेंट कमिश्नर ने केवल संप्रेषण किया, लेकिन कोई स्पष्ट आदेश या सोच-विचार का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।

याचिकाकर्ता का तर्क था कि इन पेड़ों के लिए कोई अवैध अनुमति का रिकॉर्ड भी नहीं है। दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग ने स्वीकार किया कि निर्माण पूरा हो चुका है। यानी, पेड़ पहले ही काटे जा चुके हैं। सभी पहलुओं को सुनने के बाद एनजीटी ने सभी संबंधित विभाग को दो सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। जिसमें ट्री ऑफिसर की अनुमति की प्रति, प्रतिपूरक पौधारोपण के लिए जमा राशि, किए गए पौधारोपण की संख्या और बचे पेड़ों की संख्या शामिल हैं। एनजीटी के पूर्व आदेश का उल्लंघन इस मामले में एनजीटी ने 9 जनवरी-25 को कानूनी प्रक्रिया के बिना पेड़ न काटने के निर्देश दिए थे। एनजीटी ने साफ कहा है कि क्या इस आदेश का उल्लंघन हुआ है? कितने पेड़ कटे हैं? भोपाल में 305 करोड़ रुपए से कोलार सिक्सलेन बना है। करीब 14.2 किमी लंबा सिक्सलेन है। इससे बड़ी आबादी को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिली है।

"स्वच्छोत्सव" थीम पर आयोजित होगा "स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान"

भोपाल। आगामी 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक के पखवाड़े को स्वच्छता ही सेवा अभियान के रूप में मनाया जायेगा और ह्यह्यस्वच्छोत्सव की थीम पर आयोजित अभियान के तहत 15 दिनों तक स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन नगर निगम द्वारा किया जायेगा। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत सभी गतिविधियों एवं कार्यों व जन जागरूकता कार्यक्रमों को बेहतर ढंग व सुचारू रूप से संपादित करने के दृष्टिगत निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है और इस अभियान का नोडल अधिकारी अपर आयुक्त वरूण अवस्थी को बनाया गया है। निगम आयुक्त ने अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में अपर आयुक्त वरूण अवस्थी को जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन की गतिविधियों को मॉनीटर करेंगे तथा

प्रतिदिन संपादित गतिविधियों की जानकारी जिला कलेक्टर कार्यालय को भी प्रेषित करेंगे। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े प्रथम दिन सीटीयू,जीव्हीपी कायाकल्प के तहत बैकलेन, चैराहों, फुटपाथों, झुग्गी क्षेत्रों पूर्व से चिन्हित जीवीपी आदि की सफाई तथा कचरा पृथक्कीकरण, सिंगल यूज प्लास्टिक तथा ट्रिपल आर सिद्धांत से अवगत कराने हेतु डोर-टू-डोर अभियान का आयोजन किया जायेगा साथ ही स्वच्छता ही सेवा 2025 के संदेश को ब्रांडिंग के माध्यम से दुकानों, कार्यालयों आदि तक पहुंचाया जायेगा। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों, आफिस, विद्यालय, कॉलेज, अस्पताल, प्रमुख बाजार, व्यवसायिक क्षेत्र, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेशन, आटो स्टैण्ड व उसके आसपास की साफ-सफाई, आत्म निर्भर भारत-विकसित भारत थीम पर नमो मैराथन, जलाशयों, शौचालयों, विद्यालय, कार्यालयों, व्यवसायिक क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं पेंटिंग, जिंगल, निबंध लेखन, क्वीज आदि का काम्पीटिशन, सफाई मित्रों एवं दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण व उपकरण वितरण कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जायेगा।

न संगठन में मिलेगी जगह, न चुनाव लड़ सकेंगे

बड़बोले नेताओं की बन रही कुंडली...

भोपाल। सत्ता और संगठन की हिदायत और पचमढ़ी प्रशिक्षण के बाद भी भाजपा के नेताओं का बड़बोलापन जारी है। भाजपा के सांसद हो या विधायक हों या फिर पूर्व विधायक या पदाधिकारी सभी को निर्देश है कि वे सोच-समझकर पार्टी की गाइड लाइन के अनुसार ही बयान दें। लेकिन सारे दिशा निर्देशों को दरकिनार कर भाजपा नेता ऐसे बयान दे रहे हैं जिससे पार्टी की साख पर सवाल उठ रहे हैं। इसको देखते हुए भाजपा बड़बोले नेताओं की कुंडली बना रही है। सूत्रों का कहना है कि इन नेताओं को संगठन में जगह नहीं दी जाएगी। यही नहीं अगर उनका बड़बोलापन नहीं रूका तो उनको चुनावी टिकट भी नहीं मिलेगा। दरअसल, भाजपा के नेताओं के बड़बोलेपन पर लगाम नहीं लग पा रही है। ऐसे में पार्टी की गाइडलाइन से इतर बयान देने वाले नेताओं से अब प्रदेश संगठन किनारा करने की तैयारी में है। इनमें जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं,

जिन्हें पहले समझाइश दी जाएगी और यदि नहीं माने तो पार्टी नेतृत्व उसे अनुशासनहीनता मानकर कड़े कदम उठाएगा। समझाने के बाद भी यदि नेता और कार्यकर्ता गाइडलाइन से विपरीत जाकर बयान देते हैं, तो उनके खिलाफ एक्शन होने चाहिए। सूत्रों की मानें तो पार्टी ने तय किया है कि यदि कोई विधायक या दूसरे मौजूदा या पूर्व

बयानों से हो रही किरकिरी

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से मप्र के कई विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्रियों से लेकर कुछ बड़े नेताओं के बयानों से सरकार और दल की किरकिरी हुई है। इस पर प्रदेश नेतृत्व द्वारा ऐसे बयानवीरों को समझाइश भी दी गई। इनमें से कुछ ने तो चुप्पी साध ली, लेकिन कई अब भी ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे पार्टी को अपना बचाव करने में दिक्कत आ रही है। सूत्र बताते हैं कि इससे बचने के लिए पार्टी ने ठोस रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अनुशासन को प्राथमिकता बताते हुए जिला संगठनों से कहा कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। ऐसे नेताओं को भविष्य में न तो संगठन से जुड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी और न उन्हें महत्वपूर्ण काम सौंपे जाएंगे। इन नेताओं को पूरी तरह से हाशिए पर डाल दिया जाएगा। भविष्य में उन्हें न उन्हें न तो कोई राजनीतिक पद ही दिया जाएगा और न ही चुनावी राजनीति के लिए उनके नाम पर विचार होगा। गौरतलब है कि पाक के साथ सीजफायर को लेकर उठे विवादों के बीच भाजपा नेताओं के बयान भी चचार्ओं में रहे हैं। फग्गन सिंह कुलस्ते हों या फिर मनगवां से विधायक नरेन्द्र प्रजापति के कुछ बयान ऐसे थे कि जिसकी सफाई देने में भाजपा संगठन को पसीना आ गया।

बयानों से हो रही किरकिरी

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से मप्र के कई विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्रियों से लेकर कुछ बड़े नेताओं के बयानों से सरकार और दल की किरकिरी हुई है। इस पर प्रदेश नेतृत्व द्वारा ऐसे बयानवीरों को समझाइश भी दी गई। इनमें से कुछ ने तो चुप्पी साध ली, लेकिन कई अब भी ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे पार्टी को अपना बचाव करने में दिक्कत आ रही है। सूत्र बताते हैं कि इससे बचने के लिए पार्टी ने ठोस रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अनुशासन को प्राथमिकता बताते हुए जिला संगठनों से कहा कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। ऐसे नेताओं को भविष्य में न तो संगठन से जुड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी और न उन्हें महत्वपूर्ण काम सौंपे जाएंगे। इन नेताओं को पूरी तरह से हाशिए पर डाल दिया जाएगा।

सत्यमेव जयते

लक्ष्य हमारा जनकल्याण
जन-जन का उत्थान

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी

सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा...
75 वर्ष

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शुभारंभ

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

लोकार्पण

सुमन सखी चैटबॉट

शिलान्यास

पीएम मित्र पार्क, धार

तथा

8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 10 लाख हितग्राहियों को किस्त का अंतरण

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत 'आदि सेवा पर्व' का शुभारंभ

'एक बगिया माँ के नाम' अभियान अंतर्गत पौध वितरण

एक करोड़वें सिकल सेल स्क्रीनिंग काउंसलिंग कार्ड का वितरण

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

17 सितम्बर 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | पीएम मित्र पार्क, जिला धार

D11103/25

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

सत्यमेव जयते

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य परिदृश्य में बदलाव की पहल

महिलाओं के लिए चिकित्सा जांच और स्वास्थ्य योजनाओं तक आसान पहुंच

- ईएनटी, नेत्र, रक्तचाप, मधुमेह और दंत जांच
- कैंसर-मुख/स्तन/ग्रीवा
- गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व जांच
- टीकाकरण सेवाएं/एनीमिया का स्तर
- मातृ एवं शिशु सुरक्षा (एमसीपी) कार्ड
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना नामांकन
- आयुष्मान वय वंदना कार्ड
- सिकल सेल कार्ड
- आभा आई.डी. कार्ड पंजीयन
- सेवाओं के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या आंगनवाड़ी केन्द्र से सम्पर्क करें

सुमन सखी चैटबॉट

- महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी
- स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी
- 24x7 हिंदी भाषा में उपलब्ध, ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं को लाभ

8वां राष्ट्रीय पोषण माह

- चीनी और खाद्य तेल के सीमित सेवन पर जोर
- प्रारंभिक बचपन की देखभाल एवं शिक्षा (पोषण भी पढ़ाई भी)
- पोषण एवं बच्चों की देखभाल में पुरुषों की भागीदारी
- स्थानीय पौष्टिक खाद्य संसाधनों को बढ़ावा

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- गर्भवती एवं धात्री माताओं को मिलने वाली आर्थिक मदद से उनके स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखने में सहायता
- महिलाओं को जागरूक कर संस्थागत प्रसव को बढ़ावा
- 18 जुलाई 2025 तक 49 लाख से अधिक महिलाओं को ₹2076 करोड़ की सहायता

सिकल सेल मिशन

- अब तक 1.17 करोड़ से अधिक जांच पूर्ण
- चिह्नित रोगियों को मिल रही जेनेटिक काउंसलिंग, औषधियां एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा
- अब तक 99 लाख से अधिक हितग्राहियों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड वितरित
- सिकल सेल की रोकथाम हेतु प्रीनेटल जांच सुविधा का लाभ

आदि सेवा पर्व

- जनजातीय समाज को शासकीय योजनाओं से सीधे जोड़ने के इस अभियान से योजनाओं का लाभ सुनिश्चित
- प्रदेश भर के 3 लाख से अधिक जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा जागरूकता का प्रसार
- ग्राम स्तर पर सीधे संवाद, आदि सेवा केन्द्रों की स्थापना और शिकायत निवारण की व्यवस्था

एक बगिया माँ के नाम अभियान

- 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना से स्व-सहायता समूह की महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण
- एक बगिया माँ के नाम ऐप से चयनित 31 हजार से अधिक महिलाओं को परियोजना का लाभ
- 3 वर्ष के भीतर फलोद्यान विकास के लिए मिलेगा ₹3 लाख का अनुदान

पीएम मित्र पार्क, धार

देश का सबसे बड़ा, सबसे पहला ग्रीनफील्ड टेक्सटाइल पार्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 5F विज़न

फार्म — किसान कपास को सीधे कंपनियों को बेचकर बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगे

फाइबर — पार्क में कपास की जिनिंग सुविधा भी उपलब्ध होगी, इससे कपास की गुणवत्ता में वृद्धि होने से धागा बनाने की प्रक्रिया अधिक कुशल होगी

फैक्ट्री — स्पिनिंग से लेकर निटिंग, डाइंग और प्रिंटिंग तक सभी सुविधाएं एकीकृत प्रक्रिया के तहत उपलब्ध होंगी

फैशन — गारमेंटिंग, डिजाइनिंग एवं फैशन इंडस्ट्री से जुड़े कौशल के कार्यों में महिलाओं के लिए अवसर बनेंगे

फॉरेन — यहां से तैयार कपड़ों के निर्यात से देश में विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी, आर्थिक विकास दर बढ़ेगी

पार्क क्षेत्र 2158 एकड़	पार्क लागत ₹2063 करोड़	नये रोज़गार लगभग 3 लाख
महिलाओं की भागीदारी लगभग 60%	निवेश ₹20,000 करोड़	3.5 लाख से अधिक कपास किसानों को लाभ

टेक्सटाइल के क्षेत्र में लब्ध-प्रतिष्ठित 91 कंपनियों को निवेश प्रस्ताव के अनुरूप भूमि आवंटित

D11103/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

अकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

आमिर खान का खुलासा- किरण राव ने 'धोबी घाट' के बाद क्यों लिया 10 साल का ब्रेक

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान और उनकी पूर्व पत्नी व फिल्ममेकर किरण राव फिर से सुर्खियों में हैं। हाल ही में आमिर ने यह बताया कि क्यों किरण ने अपनी डेब्यू फिल्म धोबी घाट (2011) के बाद सीधा 10 साल का लंबा गैप लिया और दूसरी फिल्म लापता लेडीज़ (2024) बनाने में इतनी देर क्यों हुई। आमिर के मुताबिक, इसका सबसे बड़ा कारण उनका बेटा आज़ाद रहा।किरण राव की पहली फिल्म धोबी घाट को क्रिटिक्स ने खूब सराहा। यह फिल्म कॉन्टेंट और कहानी कहने के अंदाज़ के लिए चर्चा में रही। सबको उम्मीद थी कि किरण जल्दी ही अगली फिल्म लेकर आएंगी। लेकिन इसके बाद उन्होंने अचानक लंबे समय तक कोई प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया। इसने इंडस्ट्री और फैन्स दोनों को हैरान कर दिया।एक बातचीत में आमिर खान ने साफ कहा, किरण का पहला इंस्टिंक्ट हमेशा आज़ाद था। यानी जब उनका बेटा छोटा था, तो उन्होंने पूरी तरह उसका ख्याल रखने को ही प्राथमिकता दी।आमिर के मुताबिक, किरण ने इन सालों में अपना ज्यादा वक्त आज़ाद के पालन-पोषण और परिवार को दिया। उन्होंने खुद को फिल्मों से पीछे कर लिया ताकि बेटे को ज़रूरी देखभाल और प्यार मिल सके।किरण ने इस दौरान कई आइडियाज़ और स्क्रिप्ट्स पर सोचा, लेकिन उन्हें आगे नहीं बढ़ाया। उनके लिए परिवार उस वक्त करियर से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था।करीब एक दशक बाद किरण को लापता लेडीज़ जैसी कहानी मिली जिसने उन्हें दोबारा डायरेक्शन की तरफ खींचा। यह स्क्रिप्ट उनके लिए इतनी दमदार थी कि उन्होंने तुरंत फिल्म बनाने का फैसला किया।आमिर ने कहा कि वह हमेशा किरण के साथ खड़े रहे। उन्होंने लापता लेडीज़ को प्रोड्यूस किया ताकि किरण अपनी क्रिएटिविटी को खुलकर सामने ला सकें।2024 में आई लापता लेडीज़ को दर्शकों और समीक्षकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली। इसने साबित कर दिया कि लंबे ब्रेक के बावजूद किरण राव का फिल्ममेकिंग के प्रति जुनून और संवेदनशीलता बिल्कुल बरकरार है।

'महादेव' की पार्वती सोनारिका ने प्रेग्नेंसी का ऐलान किया

देवों के देव महादेव सीरियल में पार्वती का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया मां बनने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने पति विकास पाराशर के साथ बेबी बंप दिखाते हुए कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कर यह खुशखबरी दी। इन तस्वीरों को फैंस का खूब प्यार मिल रहा है।'देवों के देव महादेव' सीरियल में पार्वती का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई अभिनेत्री देवों के देव महादेव' सीरियल में पार्वती का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। शादी के कुछ ही महीने बाद, सोनारिका ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपने पति विकास पाराशर के साथ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपना बेबी बंप दिखाती नजर आ रही हैं।टीवी एक्ट्रेस सोनारिका ने अपनी प्रेग्नेंसी फोटोशूट की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में वह और उनके पति विकास समुद्र किनारे नज़र आ रहे हैं। सोनारिका ने एक सफेद रंग का गाउन पहना हुआ है, जिसमें उनका बेबी बंप साफ दिखाई दे रहा है। दोनों की रोमांटिक तस्वीरें फैंस का दिल जीत रही हैं।सोनारिका और विकास इस फोटोशूट में बेहद रोमांटिक लग रहे हैं। उनके फैंस और टीवी इंडस्ट्री के दोस्तों ने भी तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसाया और उन्हें बधाई दी। पोस्ट के कैप्शन में सोनारिका ने लिखा, हमारा अब तक का सबसे बड़ा रोमांच।

तेजस्वी प्रकाश संग सिंगापुर में वेकेशन मना रहे हैं करण कुंद्रा

टीवी के क्यूट कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश घूमने के लिए निकले हुए हैं. उन्होंने अपने वेकेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं.करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश घूमने के लिए सिंगापुर गए हुए हैं. वो फैंस के साथ अपनी ट्रिप की फोटोज शेयर कर रहे हैं. करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश घूमने के लिए सिंगापुर गए हुए हैं. वो फैंस के साथ अपनी ट्रिप की फोटोज शेयर कर रहे हैं.करण और तेजस्वी की केमिस्ट्री फैंस को बहुत पसंद आती है. दोनों एक दूसरे के साथ खूब मस्ती करते हैं. करण तेजस्वी को बहुत पेंपर करते हैं. तेजस्वी की इस तरह से केयर करके करण कपल गोल्स सेट करते हैं.करण अकेले भी खूब पोज दे रहे हैं. बेज कलर की पेंट और फ्लोरल शर्ट में करण बहुत स्मार्ट लग रहे हैं.ग्रीन कलर की शॉर्ट ड्रेस में तेजस्वी का लुक देखने वाला है. वो करण के साथ खूब पोज दे रही हैं.करण के इस पोस्ट पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. कुछ फैंस तो पूछ रहे हैं कि आप शादी कब कर रहे हो.एक ने लिखा- मेरे क्यूटी. दूसरे ने लिखा- बहुत प्यारी हैं, ऐसी ही फोटोज शेयर करते रहो।

77 सालों में वो 4 मौके जब भारत ने जीता एमी अवॉर्ड

जैसे फिल्मों के लिए ऑस्कर्स है, म्यूजिक के लिए ग्रैमी है वैसे ही टीवी और सीरीज के लिए एमी अवॉर्ड्स सबसे खास माना जाता है. इस अवॉर्ड्स का इंतजार फैंस हर साल बेसब्री से करते हैं. साल 2025 में इस अवॉर्ड शो का 77वां संस्करण आयोजित किया गया. आइये जानते हैं कि इन 8 दशकों में भारत ने ऐमी में कब और किस कैटेगरी में अवॉर्ड्स जीते हैं.

शुभाष चंद्रा- साल 2011 में जी टीवी के फाउंडर और दिग्गज बिजनेसमैन शुभाष चंद्रा को सबसे पहले एमी अवॉर्ड्स मिला था. उन्होंने डायरेक्टरेट की कैटेगरी में ये अवॉर्ड दिया गया था. वे इस कैटेगरी में अवॉर्ड पाने वाले पहले भारतीय थे. उनके बाद ये अवॉर्ड साल 2023 में एकता कपूर को मिला था.

दिल्ली क्राइम- साल 2020 में शेफाली शाह और राजेश तेलांग की वेब सीरीज दिल्ली क्राइम को बेस्ट ड्रामा सीरीज के इंटरनेशनल एमी अवार्ड से सम्मानित किया गया था. इस कैटेगरी में अवॉर्ड पाने वाली ये एकलौती वेब सीरीज है. इसमें निर्भया गैंगरेप केस की दर्दनाक कहानी दिखाई गई थी. सीरीज में रसिका दुग्गल भी नजर आई थीं.

एकता कपूर- बालाजी टेलीफिल्म्स की मैनिजिंग डायरेक्टर और बॉलीवुड प्रोड्यूसर एकता कपूर को साल 2023 में डायरेक्टोरेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था. उन्होंने भारत का नाम दुनियाभर में गर्व से ऊंचा कर दिया था. एकता कपूर के करियर की इसे सबसे बड़ी अचीवमेंट कहा जा सकता है.

वीर दास लैंडिंग- देहरादून में जन्में 46 वर्षीय स्टैंडअप कॉमेडियन वीर दास को नेटफ्लिक्स के उनके शो वीर दास लैंडिंग के लिए ऐमी अवॉर्ड से नवाजा गया था. इस मौके पर उन्हें हर तरफ से बधाइयां मिली थीं और वे अभी तक के इतिहास में ऐमी अवॉर्ड हासिल करने वाले एकलौते इंडियन हैं. उनके शो को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड फॉर बेस्ट कॉमेडी सीरीज के लिए चुना गया था।

मॉडर्न ट्रेडिशनल लुक से जाह्नवी ने जीता फैंस का दिल

जाह्नवी कपूर अपने स्टाइलिश लुक से फैंस का दिल जीत लेती हैं। जाह्नवी हाल ही में कनाडा में टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने पहुंचीं। इस फेस्टिवल ने भी जाह्नवी ने अपने ग्लैमरस अंदाज से सबका दिल जीत लिया। अपने लुक की कुछ तस्वीरें भी एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। तस्वीरों में जाह्नवी का मॉर्डन साड़ी लुक देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अबु जानी संदीप खोसला की डिजाइन की हुई रेशम की साड़ी पहनी हुई है। साड़ी पर सिल्क के धशगों से खूबसूरत एंब्रायडरी की गई है। साड़ी के साथ जाह्नवी ने विंटेज जामवर जैकेट पेयर की है, जो उनके लुक को कश्मीरी टच दे रहा है। इसके साथ जाह्नवी ने बैकलेस हैंड एंब्रायडरी वाला ब्लाउज कैरी किया है। साथ जामवर की शॉल को भी पेयर किया है। जाह्नवी ने ग्लॉसी मेकअप और बालों का स्टाइलिश बन बनाकर अपना लुक कम्प्लीट किया है। इसके साथ कानों में बड़े से ईयररिंग्स कैरी किए हैं। तस्वीरों में जाह्नवी एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। जाह्नवी का यह मॉर्डर्न ट्रेडिशनल अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म %परम सुंदरी% में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही वरुण धवन के साथ फिल्म %सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखेंगी।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

मीनाक्षी और जैस्मिन ने गोल्ड जीते

जैस्मिन लंबोरिया	मीनाक्षी
गोल्ड मेडल	गोल्ड मेडल
कैटेगरी	कैटेगरी
विमेंस 57 किलोग्राम	विमेंस 48 किलोग्राम
किसे हराया	किसे हराया
जूलिया स्जेरेमेटा (पोलैंड)	नजिम काईजीबे (कजाकिस्तान)
स्कोर : 4-1	स्कोर : 4-1

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेल प्रेमियों के लिए दिन की पहली खुशखबरी अंग्रेजों के देश से आई, जब लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की दो बेटियो ने गोल्ड मेडल जीते। पहला मेडल शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में आया। जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी में पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से मात दी। फिर करीब शाम 4 बजे मीनाक्षी ने 48केजी वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में 3 बार की विश्व विजेता कजाकिस्तान की नजिम काईजीबे को 4-1 से मात की। भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 मेडल अपने नाम किए। इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुक्केबाज बेटियों को बधाई दी।

- **सर्वेश कुशारे हाई जंप के फाइनल में पहुंचने वाले भारतीय** - शाम होते-होते टोक्यों में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से एक और अच्छी खबर आई। 30 साल के सर्वेश कुशारे 2.25 मीटर की छलांग लगाकर हाई जंप इवेंट के फाइनल में पहुंच गए। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने हैं।कुशारे का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 मीटर है और यह उन्होंने 2022 में दर्ज किया था। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.26 मीटर है। उन्होंने 2023 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन

- **फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया, सारांश जैन प्लेयर ऑफ द सीरीज**

नईदिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल जोन ने 11 साल बाद दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया। सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना है। इससे पहले 2014 में यह खिताब सेंट्रल जोन ने जीता था। सेंट्रल जोन को जीत के लिए महज 65 रन का टारगेट मिला था। टीम ने सोमवार को मुकाबले के पांचवें और आखिरी दिन 4 विकेट खोकर यह टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले, चौथे दिन साउथ जोन अपनी दूसरी पारी में 426 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन को महज 65 रन का टारगेट ही मिल सका। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर गुरुवार को सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। साउथ जोन पहली पारी में 149 रन ही बना सका। सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 362 रन की बढ़त हासिल की थी।

आज बंगलादेश के खिलाफ सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा अफगानिस्तान

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में बंगलादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बंगलादेश के खिलाफ अफगानिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं।

इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीत हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बंगलादेश को दो में सफलता मिली है। बंगलादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी।

बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बंगलादेश का शीर्ष क्रम बिल्कुल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है उन्हें स्वयं को पूरी तरह से झोंककर लय बनाते हुए थोड़ा साहस दिखाना होगा और जरूरत पड़ने पर लंबी पारी खेलनी होगी। तौहीद हृदय और महेदी हसन को उनका साथ देना होगा तथा जैकर अली और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाजो को निचले क्रम में मजबूती से बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी टीम दिख रही है। राशिद खान की टीम ने अपने पिछले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हराया था और वे इन परिस्थितियों में लगातार जीत रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और ऐसा लगता है कि वह खाड़ी में खेलने में मजा ले रहे है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश - लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरफुल इस्लाम और मुस्तफिजुर रहमान

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।

टॉस के वक्त ही तय हो गई थी भारत की जीत

पाकिस्तान ने कीं 3 बड़ी गलतियां, टीम इंडिया का पाक पर जीत का सिक्सर

दुबई (एजेंसी)। 2011 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने के बाद एक दुखी पाकिस्तानी फैन ने यह जुमला दिया था। रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने इसे फिर सही साबित कर दिया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में 3 बड़ी गलतियां कीं और शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने तीनों का बखूबी फायदा उठाया। इनमें से एक गलती तो मैच की पहली गेंद फेंके जाने से भी पहले हो गई थी और संभवतः उसी वक्त पाकिस्तान की हार भी तय हो गई।पाकिस्तान की तीनों गलतियों को विस्तार से जानेंगे, उससे पहले बतौर भारतीय फैन गर्व करने लायक एक रिकॉर्ड जान लीजिए। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार छठी जीत है।

- **पहली गलती : जहां 18 में से 16 मैच चेजिंग टीम ने जीते वहां पहले बैटिंग चुनी** - दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड की पिच पर टारगेट का पीछा करने वाली टीम को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है। पिछले 5 साल में दुनिया की टॉप-12 टीमों के बीच यहां खेले गए पिछले 18 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 16 में टारगेट चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की थी। पाकिस्तान की टीम पिछले 13 साल में भारत को सिर्फ दो टी-20 मैच हरा पाई थी। दोनों जीत भी इसी ग्राउंड पर दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए मिली थीं। इसके बावजूद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला कर लिया। इरफान पठान, अजय अडेजा, संजय मांजरेकर जैसे कमेंटेटर्स ने सलमान के इस फैसले पर हैरानी जताई।
- **दूसरी गलती : टॉप विकेट टेकर हारिस रउफ को प्लेइंग-11 से बाहर रखा** - पाकिस्तान के एशिया कप स्क्वॉड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा सात विकेट तेज गेंदबाज हारिस रउफ के नाम था। इसके बावजूद पाकिस्तानी थिंक टैंक ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के सामने अपने सबसे कामयाब गेंदबाज को प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। शाहीन शाह अफरीदी शुरुआत में ही पिट गए और दूसरे छोर से कोई दमदार फास्ट बॉलर न होने का खामियाजा पूरी टीम ने भुगता।

सूर्या ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की, 'भारत माता' की नारे से गूंजा स्टेडियम

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी। सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने थी। खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टॉस के वक्त भी सूर्या ने [illegible] कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है।भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया।

सूर्या ने कहा- हम पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के साथ - रविवार की सूर्यकुमार यादव का 35वां जन्मदिन था और स्टेडियम में फैंस ने उन्हें बधाई दी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होस्ट संजय मांजरेकर ने उनके लिए हैप्पी बर्थ-डे सॉन्ग भी गाया। सूर्या ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा यह जीत भारत को रिटर्न गिफ्ट है।प्रजेंटेशन के अंत में सूर्या ने कहा, हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता दिखाते हैं और आज की जीत इंडियन आर्म्ड फोर्स को डेडिकेट करते हैं।

सूर्या ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया

टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम गई, दरवाजा बंद कर लिया; अब पीसीबी ने रेफरी हटाने की मांग की

दुबई (एजेंसी)। भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस के दौरान या जीत के बाद किसी भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया। इससे निराश पाकिस्तान कप्तान सलमान आगा मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ही शामिल नहीं हुए। अब [illegible] ने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से हटाने की मांग की है।पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ ना मिलाने के सवाल पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, एशिया कप के मामले में बीसीसीआई और सरकार का रुख साफ है। इसी के तहत बतौर टीम मैनेजमेंट हमने फैसला लिया। वहीं, पाकिस्तानी हेड कोच माइक हेसन ने कहा, हमारी टीम मैच के बाद हाथ मिलाने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बाद में पता चला कि भारत ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है।

पीसीबी ने शिकायत की

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मैच के कुछ घंटे बाद एक बयान में कहा, हमारे टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया, क्योंकि उन्होंने कप्तानों से टॉस के दौरान हाथ न मिलाने का अनुरोध किया था। फिलहाल मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस शिकायत के कुछ घंटे बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पैंतरा बदला। पीसीबी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल से रेफरी की ही शिकायत कर डाली। उसने एसीसी से मैच रेफरी को बदलने की मांग की है।

हम यहां सिर्फ मैच खेलने आए थे- सूर्या

इसी साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 127 रन बनाए। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15.5 ओवर में 131 रन बनाकर जीत हासिल की। सूर्या ने छक्के के साथ टीम को जीत दिलाई। सूर्या ने यह जीत भारतीय सेना को समर्पित की, जो मई में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल थे।

भारत-ए की टीम ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ बैलेंस्ड होगी

चीफ कोच बोले- श्रेयस अय्यर तैयार, यह सीरीज सीनियर टीम से पहले बड़ा मौका

लखनऊ (एजेंसी)। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच चार दिवसीय टेस्ट मैच से पहले इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भारत-ए के चीफ कोच ऋषिकेश कनिटकर ने टीम इंडिया और कैप्टन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- टीम बैलेंस्ड है और श्रेयस अय्यर तैयार हैं। वह सभी फॉर्मेट के अच्छे प्लेयर हैं। उनका माइंडसेट क्लियर है। टेस्ट क्रिकेट में भी उन्होंने सेंचुरी जड़ी है। यह खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका है।इंटरनेशनल एक्सपीरियंस खिलाड़ियों को मिलेगा।इसमें से अधिकतर प्लेयर्स दिलीप ट्रॉफी का मैच खेल चुके हैं।

- **कोच बोले- यह आइडल टूर्नामेंट है** - मुख्य कोच ने कहा कि इसमें यह नेक्स्ट लेवल है, जिसमें वह सीनियर टीम के लिए मौका पाएंगे। यह आइडल टूर्नामेंट है। इसमें अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी सीनियर टीम में खेलने का मौका पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए खेलने वाले खिलाड़ी निश्चित तौर पर आगे सीनियर टीम का हिस्सा होंगे।

सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 23 विकेट झटके थे, मैट हेनरी और जायडन सील्स को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दिया है। उन्होंने इस रेस में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जायडन सील्स को पीछे छोड़ा। सिराज को यह अवॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ओवल टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। उन्होंने आखिरी पारी में 5 विकेट लेकर भारत को 6 रन की रोमांचक जीत दिलाई थी। इसी जीत के सहारे भारत 2-1 से पिछड़ने के बावजूद सीरीज ड्रॉ कराने में कामयाब रहा।

5 मैचों की इस सीरीज में 23 विकेट लिए - 5 मैचों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी चोटिल रहे, लेकिन सिराज ने लगातार 5 टेस्ट में खेले। इतना ही नहीं, 23 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 185.3 ओवर डाले।

ओवल टेस्ट में 9 विकेट झटके थे

सिराज ने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ओवल टेस्ट जीता और सीरीज 2-2 से बराबर की। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

हेनरी और सिल्स का प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 टेस्ट सीरीज जीत में 16 विकेट झटके। उन्होंने पहले टेस्ट में 6/39 और 3/51 तथा दूसरे में 5/40 और 2/16 के आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के जायडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट झटके। आखिरी मैच में उन्होंने करियर बेस्ट 6/18 परफॉर्म किया।

सौरव गांगुली का फिर बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन प्रेसिडेंट बनना संभव

उनके खिलाफ किसी प्रत्याशी का नॉमिनेशन नहीं, बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली एक फिर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। उन्होंने केब के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। उनके खिलाफ किसी और प्रत्याशी ने नामांकन नहीं भरा है। ऐसे में उम्मीद है कि वह 22 सितंबर को होने वाले केब चुनाव में वे अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे।

हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा- गांगुली - गांगुली ने रविवार को एक बयान में कहा, मैं सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। केब में कोई विपक्ष नहीं है। हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा है। हम सब मिलकर केब और बंगाल क्रिकेट को आगे ले जाएंगे। आगे आने वाले सीजन में ईडन गार्डन्स को

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच, मेंस टी-20 वर्ल्ड कप और बंगाल प्रो टी-20 लीग की मेजबानी करनी है। मैं इसके सफल मेजबानी की पूरी कोशिश करूंगा। सौरव गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा। वे इससे पहले 2015 से 2019 तक केब अध्यक्ष रह चुके हैं।

2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे - इससे पहले भी गांगुली 2015 से 2019 तक केब अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके बाद वह 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष रहे। तब से वे टी-20 फ्रेंचाइजी सर्किट में कई टीमों के साथ जुड़े रहे हैं। वे 2021 में आईसीसी मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष बने थे। उन्हें अनिल कुंबले की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था।

- **गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा** - गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली। गांगुली ने अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े। उनका वनडे में बेस्ट स्कोर 183 रन रहा, जो उन्होंने 1999 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। वह साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया। 2002 में लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। उन्होंने 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन रोकेगा मैरिट सर्टिफिकेट फर्जीवाड़ा

- **अब जन्मतिथि और आधार नंबर जरूरी, माता-पिता का नाम भी करना होगा अंकित**

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में सरकारी नौकरी पाने के लिए कई लोग फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवा रहे थे। इस पर अब हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन ने सख्ती दिखाते हुए कदम उठाया है। संघ ने प्रदेश की सभी खेल एसोसिएशनों और जिला खेल अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी खिलाड़ी को खेल प्रमाण पत्र जारी करते समय उसकी जन्मतिथि और आधार कार्ड नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही खिलाड़ी के माता-पिता का नाम भी प्रमाण पत्र में लिखा जाएगा। इतना ही नहीं, मैरिट में आने वाले खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र की सही तरीके से जांच की जाएगी और तभी उनका वितरण किया जाएगा। इस पहल के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों के रास्ते बंद हो जाएंगे और केवल असली खिलाड़ियों को ही इसका फायदा मिल सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

झगड़े की रंजिश में रची शराब पिलाकर हत्या की साजिश

फरीदाबाद। सेक्टर-58 थाना इलाके में भनकपुर गांव के पास प्रदीप की हत्या के मामले में उसके दोनों साथियों योगेश व पवन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी प्रदीप के ही गांव पलवल के कारना के रहने वाले हैं। सोमवार को आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों से अपराध शाखा एवीटीएस की टीम पूछताछ कर रही है। पूछताछ में सामने आया कि कुछ महीने पहले आरोपी पवन व उसके साथियों का झगड़ा प्रदीप के साथ हुआ था। इसे लेकर पवन प्रदीप से रंजिश रखने लगा था। शनिवार 13 सितंबर को प्रदीप को प्लान के तहत पवन व योगेश उसकी ब्रेजा कार से पलवल लेकर आए। यहां पर तीनों ने शराब पी और फरीदाबाद के भनकपुर पहुंचे। यहां योगेश व पवन ने मिलकर प्रदीप के साथ झगड़ा किया। आरोपियों ने लात-घूसे मारने के साथ ही डंडों से भी प्रदीप को पीटा। फिर उसका सिर जमीन पर दे मारा। इससे प्रदीप की मौत हो गई। योगेश सेल-परचेज का काम करता है जबकि पवन रैपिडो बाइक चलाता है। यह मामला शनिवार देर रात लगभग डेढ़ बजे सामने आया। पुलिस को सूचना मिली कि भनकपुर गांव में सड़क किनारे एक युवक लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ है। सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक की मौत हो चुकी थी और उसके शरीर पर चोट के निशान थे। प्रदीप के पिता रविंद्र के बयान पर सेक्टर-58 थाना में एफआईआर दर्ज की गई। मामले में अब दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस टीम पूछताछ कर रही है।

किशोरी से डिजिटल रेप के दोषी को 20 साल की कैद

फरीदाबाद। किशोरी से डिजिटल रेप के दोषी युवक महेश को जिला अदालत ने 20 साल कैद की सजा दी है। पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमराज मित्तल की अदालत ने फैसला सुनाया है। अदालत ने दोषी पर आठ हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। सेक्टर-58 थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर एक मार्च 2020 को दर्ज हुई थी। मामले में 11 साल की किशोरी की ओर से शिकायत दी गई। जिसके अनुसार सेक्टर-58 थाना इलाके में उसके पड़ोसी महेश ने दिसंबर 2019 से छेड़छाड़ करना शुरू किया। आरोपी ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। बाद में आरोपी ने किशोरी से डिजिटल रेप भी किया। परेशान होकर किशोरी ने 28 फरवरी 2020 को अपनी मां को बताया। तब मां के साथ थाने जाकर शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर एक मार्च 2020 को ही आरोपी 20 साल के महेश को गिरफ्तार किया। ट्रायल के दौरान सभी पक्षों को सुनकर जिला अदालत ने महेश को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद की सजा दी है।

सीबीएसई ने छात्रों की डिटेल्स में लापरवाही पर जताई सख्ती

फरीदाबाद। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जानकारी में हो रही गलतियों पर सख्ती दिखाई है। सीबीएसई ने इस पर चिंता जताते हुए देशभर के साथ फरीदाबाद जिले के स्कूलों को भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने साफ कहा है कि पंजीकरण से लेकर परिणाम तक दर्ज की जाने वाली सभी जानकारियां पूरी तरह सही होनी चाहिए। कहा कि इन्हीं विवरणों के आधार पर अंक पत्र और प्रमाणपत्र तैयार किए जाते हैं। छोटी-सी गलती भी विद्यार्थियों के भविष्य पर भारी पड़ सकती है। सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि छात्रों और अभिभावकों को सुधार के लिए कई अवसर दिए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद अधूरे दस्तावेजों या गलत जानकारी के साथ आवेदन आने से प्रक्रिया लंबी खिंचती जाती है। इससे छात्रों को उच्च शिक्षा और कॅरिअर से जुड़े कामों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब बोर्ड ने चेतावनी दी है कि अधूरी या गलत फाइलें सीधे खारिज कर दी जाएंगी। बोर्ड ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि प्रवेश फॉर्म, छात्र रजिस्टर और ट्रांसफर सर्टिफिकेट में दर्ज जानकारियों की सही से जांच की जाए। परीक्षा फॉर्म और प्रवेश पत्र जारी करने से पहले अभिभावकों से लिखित पुष्टि लेना भी अनिवार्य होगा। साथ ही, छात्रों या अभिभावकों द्वारा सीधे बोर्ड या अदालत में आवेदन करने पर रोक लगाई गई है। अब सभी आवेदन केवल संबंधित स्कूलों के माध्यम से ही भेजे जाएंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि सीबीएसई के दिए गए दिशानिर्देश छात्रों के हित में हैं। कई बार छोटी-सी चूक बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर देती हैं। इसलिए जिले के सभी स्कूलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वे छात्रों की डिटेल्स सावधानीपूर्वक दर्ज करें और अभिभावकों से पुष्टि अवश्य लें।

अरावली क्षेत्र में अवैध खनन पर 1.75 लाख का जुर्माना लगाया

फरीदाबाद। वन विभाग की टीम ने अरावली वन क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन पर कड़ा शिकंजा कसते हुए धौज क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार सुबह टीम ने मिट्टी चोरी करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक को रंगे हाथ पकड़ लिया।

वन विभाग की टीम ने मौके से मिट्टी से भरी ट्रॉली सहित ट्रैक्टर को जब्त कर लिया और चालक के खिलाफ कार्रवाई की। आरोपी पर 1 लाख 75 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है।

दिव्यांग बच्चों के लिए दिल्ली सरकार 10 नए संसाधन केंद्र खोल रही, मिलेगा मुफ्त इलाज और शिक्षा

नई दिल्ली : दिव्यांग बच्चों के लिए दिल्ली सरकार 10 नए संसाधन केंद्र खोलने जा रही है। इसमें 12,500 बच्चों का इलाज होगा और इनके पढ़नी की पूरी व्यवस्था रहेगी। यहां इन बच्चों को मेडिकल, शैक्षणिक और परामर्श सेवाएं एक ही जगह मिलेंगी। ये केंद्र विशेष बच्चों की जिंदगी को आसान बनाएंगे।

संसाधन केंद्रों में बच्चों को मुफ्त चिकित्सा, शिक्षा और परामर्श सेवाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को इसकी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों का 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उद्घाटन करेंगा।

इन केंद्रों को दिव्यांग बच्चों की सुविधा के लिहाज से डिजाइन किया जाएगा। हर केंद्र में बच्चों की मदद करने के लिए छह विशेषज्ञों की टीम काम करेगी, जिसमें स्पीच थेरपिस्ट, फिजियोथेरपिस्ट, ऑक्युपेशनल थेरपिस्ट और बिहैवियरल एक्सपर्ट शामिल होंगे। ये विशेषज्ञ बच्चों की बोलने, चलने-फिरने, रोजमर्रा के काम करने और व्यवहार सुधारने की क्षमता को बेहतर करेंगे। साथ ही, काउंसलिंग के जरिए बच्चों और उनके परिवारों को मानसिक संतुष्टि भी देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केंद्रों से बच्चों की पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा, जिससे वे मुख्यधारा की शिक्षा का हिस्सा बन सकेंगे।

इन जगहों पर खुलेंगे संसाधन केंद्र

ये केंद्र बादली, पश्चिम विहार, विश्वास नगर, मंगोलपुरी, नारायणा, द्वारका, नजफगढ़, छतरपुर, मदनपुर खादर और प्रताप नगर में खोले जाएंगे। हरएक केंद्र में बच्चों की जरूरतों के हिसाब से इलाज और पढ़ने की सुविधा रहेगी। माता-पिता को भी यहां पर परामर्श की सुविधा मिलेगी।

जिले में नोडल संस्थान जैसे काम करेंगे - रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर शुरू की है। इन केंद्रों से बच्चों को शिक्षा, कौशल के जरिये उनके जीवन में बदलाव लाने की कोशिश है। ये केंद्र जिला स्तर पर नोडल संस्थान की तरह काम करेंगे, जहां दिव्यांगता से जुड़ी योजनाओं की निगरानी और शिक्षकों व अभिभावकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। दिव्यांग बच्चों को इससे नई उम्मीद मिलेगी।

दिल्ली के 84 युवा तय करेंगे शासन की नई दिशा, हर इंटर्न को मिलेगा २०००० रुपये का मानदेय

नई दिल्ली: दिल्ली के युवाओं को विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप प्रोग्राम के जरिये सीधा शासन और नीति-निर्माण का हिस्सा बनने का मौका मिला है। यह पहल न सिर्फ युवाओं को सरकारी कामकाज, ई-गवर्नेंस, वेस्ट मैनेजमेंट, हेल्थ, शिक्षा और प्रशासनिक सुधारों जैसे क्षेत्रों में अनुभव देगी, बल्कि दिल्ली के भविष्य की नई दिशा तय करेगी।

दिल्ली सरकार ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप प्रोग्राम की शुरूआत की है। सोमवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसकी शुरूआत की। पहली बार दिल्ली सरकार ने युवाओं को शासन और नीति-निर्माण से सीधे जोड़ा है।

इस कार्यक्रम के तहत 84 होनहार युवा तीन महीने तक सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ काम करेंगे। हरएक इंटर्न को तीन महीने तक 20,000 रुपये मासिक मानदेय मिलेगा, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर होने का एहसास मिलेगा। आखिरी पांच दिन ये युवा अपने अनुभव सरकार के साथ साझा करेंगे। उनके सुझाव को सरकार अपनी शासन प्रणाली में शामिल करेगी।

9,000 में से 84 युवाओं को चुना

इस इंटर्नशिप के लिए 9,000 से ज्यादा छात्रों ने आवेदन किया था, जिनमें से कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद 84 युवाओं को चुना गया है। चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन टेस्ट, निबंध लेखन, दस्तावेज सत्यापन और बूट कैंप शामिल रहे। इसमें इनकी परख करने के लिए पूरी तरह पारदर्शित बरती गई।

मुख्यमंत्री ने दिया पहले दिन का प्रशिक्षण

इसमें डीयू व अन्य विश्वविद्यालयों के विभिन्न कॉलेजों के छात्र शामिल हैं। इन्हें पहले दिन का प्रशिक्षण मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा, डॉ पंकज सिंह, कपिल मिश्रा ने दिया। मुख्यमंत्री ने अपने कॉलेज जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉमन एडमिशन फॉर्म की शुरूआत की थी, जिसने हजारों छात्रों की राह आसान की।

एनजीटी की रिपोर्ट में खुलासाः बाढ़ से सबक...दिल्ली में यमुना नदी के डूब क्षेत्र में इतने एकड़ जमीन सुरक्षित

नई दिल्ली : राजधानी में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र से 2012.99 एकड़ जमीन (814.631 हेक्टेयर) को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इसमें जोन-0 में भूमि प्रबंधन विभाग ने 2.22 एकड़ और बागवानी विभाग की तरफ से 2010.78 एकड़ जमीन से अवैध कब्जे हटाए गए हैं। दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। यह कार्रवाई 1 जनवरी, 2022 से 31 मार्च, 2025 के दौरान की गई है। इसके अलावा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने विभाग को ब्योरा दिया है कि उन्होंने जोन-ड का सर्वेक्षण पूरा कर लिया है और अब अधिकारी निष्कर्षों के आधार पर अतिक्रमण का विश्लेषण कर रहे हैं। एनजीटी ने दिल्ली सरकार, डीडीए और अन्य एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वजीराबाद से पल्ला तक 22 किमी लंबे यमुना के बाढ़ प्रभावित इलाके का सीमांकन कर अवैध निर्माण हटाया जाए। इसके तहत नवंबर, 2023 में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया था। इसको लेकर अब तक छह बार स्थिति रिपोर्ट दायर की गई हैं। यह कार्रवाई उस समय शुरू हुई जब एनजीटी ने 22 अगस्त, 2023 को एक मीडिया रिपोर्ट ह्यबाढ़ ने डीडीए के मास्टर प्लान पर पुनर्विचार क्यों कियाह्न का स्वतः संज्ञान लिया था। रिपोर्ट में यमुना के बाढ़ क्षेत्र में हो रहे अनधिकृत निर्माण से राजधानी में आई बाढ़ की स्थिति पर चिंता जताई गई।

यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में इतना अतिक्रमण

डीडीए की तरफ से किए गए हालिया सर्वे अगस्त 2024 के अनुसार, यमुना नदी का बाढ़ क्षेत्र (फ्लड प्लेन) कुल 9,700 हेक्टेयर में फैला हुआ है जो दिल्ली मास्टर प्लान 2021 के तहत जोन-ड के अंतर्गत आता है।

दिल्ली-एनसीआर में डेंगू का अलर्ट, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली : बारिश और यमुना का जलस्तर कम होने के बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली और एनसीआर को मच्छर जनित रोगों को लेकर अलर्ट पर रहने की सलाह दी है। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में पड़ोसी राज्यों के साथ दिल्ली को मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस दौरान डेंगू को लेकर दिल्ली एनसीआर को अलर्ट पर रखते हुए अस्पतालों में जल्द से जल्द तैयारियां पूरी करने का आदेश दिया गया।

इस बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, दिल्ली-गाजियाबाद के महापौर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के स्वास्थ्य एवं शहरी विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ दिल्ली में केंद्रीय अस्पतालों के सभी प्रमुख डॉक्टर मौजूद रहे। 2024 की तुलना में 47% कम डेंगू मामले सामने आए हैं।

डेंगू मरीजों की तुरंत रिपोर्टिंग करने के भी निर्देश

बारिश के लंबे मौसम और कई इलाकों में जलभराव को देखते हुए राज्यों को अपनी तैयारी फिर से आकलित करनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि दिल्ली और एनसीआर के सभी जिलों में मच्छर नियंत्रण गतिविधियों को तेज किया जाए, सर्विलांस और केस रिपोर्टिंग को और मजबूत किया जाए और तेज प्रतिक्रिया टीमों को सक्रिय रखा जाए। बैठक में दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा के नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे नियमित फॉगिंग और सोर्स रिएक्शन अभियान चलाएं। साथ ही घर-घर जाकर लार्वा सर्वे करें और डेंगू मरीजों की तुरंत रिपोर्टिंग करें।

चुनाव प्रचार अंतिम दौर में, उम्मीदवारों ने झोंकी ताकत; कॉलेजों में जाकर मांगा समर्थन

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के उम्मीदवारों ने नॉर्थ कैंपस, साउथ कैंपस और ऑफ कैंपस के कॉलेजों में प्रचार किया। चुनाव के लिए एबीवीपी ने अध्यक्ष पद पर आर्यन मान, उपाध्यक्ष पद पर गोविंद तंवर, सचिव पद पर कुणाल चौधरी और संयुक्त सचिव पद पर दीपिका झा को मैदान में उतारा है।

एबीवीपी से डूसू अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आर्यन मान ने कहा कि कैंपस परिसरों में छात्रों का अथाह प्यार मिल रहा है। पूर्व में एबीवीपी-नीत डूसू पदाधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों को लेकर हम छात्रों के बीच जा रहे हैं। चाहे यू-स्पेशल बस की शुरूआत हो या कॉलेज में आईसीसी का सुचारू संचालन हो। ऐसे तमाम मुद्दों पर छात्र हमारे साथ खड़े हैं। पूर्ण विश्वास है कि आगामी छात्रसंघ चुनाव में छात्र एबीवीपी पर भरोसा जताएंगे और हमारी जीत सुनिश्चित करेंगे। एबीवीपी से उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार गोविंद तंवर ने कहा कि विद्यार्थी परिषद एकमात्र ऐसा संगठन है जो वर्ष के 365 दिन छात्रहितों की बात करता है। यही एबीवीपी को अन्य संगठनों से अलग करता है।

इस वर्ष एबीवीपी यूनिवर्सिटी हेल्थ कार्ड, ओपन जिम, सब्सिडाइज्ड स्वास्थ्य बीमा और जॉब मेला जैसे विषयों पर कार्य करने वाली है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार एबीवीपी के पक्ष में जनमत आएगा और केंद्रीय पैनल की सभी सीटों पर एबीवीपी विजय प्राप्त होगी। एबीवीपी से सचिव पद के उम्मीदवार कुणाल चौधरी ने कहा एबीवीपी की विशेषता है कि यह पूरे वर्ष जमीन पर सक्रिय रहती है, केवल रील पर नहीं ह

हनीट्रैप में फंसा राजस्थान से बुलाया युवक, बंधक बनाकर पीटा

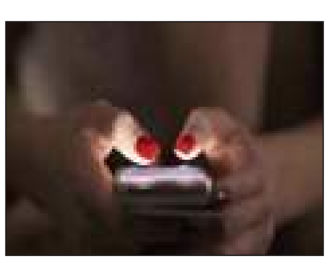

फरीदाबाद। हनीट्रैप में फंसाकर युवती ने राजस्थान के भिवाड़ी से एक युवक को फरीदाबाद बुलाया। यहां युवती ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक को पर्वतीया कॉलोनी के मकान में बंधक बनाकर रेप केस में फंसाने की धमकी दी। साथ ही मारपीट कर रुपये व मोबाइल छीन लिए। बचने के लिए युवक छत से कूदकर भागा तो कॉलोनी के रहने वाले लोगों ने उसे चोर समझकर पीट दिया। पुलिस मौके पर पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि सारन थाना में एफआईआर दर्ज कर दो महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस को मामले में शिकायत राजस्थान भिवाड़ी निवासी अनिल ने दी है। उसने बताया कि वो एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। उसके साथ ही गौरी शंकर भी नौकरी करता है। कुछ दिन पहले उसके मोबाइल पर एक नंबर से मिस कॉल आई। कॉल की तो एक युवती से बात हुई। युवती ने अनिल को मिलने के लिए फरीदाबाद बुलाया। रविवार को अनिल अपने सहकर्मी गौरी शंकर के साथ चाचा चौक फरीदाबाद आया। यहां पर युवती अपनी एक अन्य सहेली के साथ मिली। युवती दोनों को अपने घर ले गई।

शिकायतकर्ता के अनुसार युवती के घर पहुंचे तो दो अन्य युवक वहां आ गए और उसे जबरन कमरे में बंद कर दिया। आरोपियों ने झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 10 हजार रुपये वसूले। साथ ही मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। वह किसी तरह यहां से बचने के लिए मकान की छत से कूदकर भागा। लेकिन दूसरे मकान की छत पर पहुंचा तो लोगों ने चोर समझकर पीट दिया। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने अनिल के बयान पर सारन थाना में एफआईआर दर्ज कर ली है।

दोस्त गौरीशंकर ने ही फंसाया हनीट्रैप में : पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए अनिल के साथी गौरीशंकर, दीपक और दो युवतियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सिग्नल फ्री योजना जाम में फंसी, मिनटों का सफर हो रहा घंटों में; लोगों को करना पड़ा रहा परेशानी का सामना

नई दिल्ली: दिल्ली की सड़कों को जाममुक्त बनाने के तमाम दावों और योजनाओं के बावजूद राजधानी का एक अहम हिस्सा अब भी जाम से जूझ रहा है। कश्मीरी गेट से दिलशाद गार्डन तक का सफर, जिसे सिग्नल फ्री बनाने का दावा किया गया था, आज भी भारी ट्रैफिक से बेहाल है।

जीटी रोड का यह हिस्सा राजधानी को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से जोड़ता है और रोजाना लाखों वाहन यहां से आवागमन करते हैं। बावजूद इसके, शास्त्री पार्क और सीलमपुर में फ्लाईओवर बनने के बाद भी यात्रियों को सुगम सफर नसीब नहीं हो पा रहा। सोमवार को अमर उजाला की टीम ने इस हिस्से का निरीक्षण किया तो पाया गया कि आधे घंटे से भी कम का सफर एक घंटे में पूरा हुआ। सुबह करीब 11:30 बजे दिलशाद गार्डन से शुरू किया गया सफर कश्मीरी गेट 12:35 पर पहुंचा जा सका।

दरअसल, इस मार्ग पर करीब दो दशक पहले चरणबद्ध तरीके से फ्लाईओवर बनाने की योजना शुरू हुई थी। दोनों फ्लाईओवर अक्तूबर 2020 में शुरू किए गए। शास्त्री पार्क और सीलमपुर के फ्लाईओवर का उद्देश्य ही था कि यातायात को बिना रुके आगे बढ़ाया जा सके। लेकिन स्थानीय ट्रैफिक का दबाव, रेड लाइट की अधिकता और कट-प्वाइंट्स की वजह से सफर सिग्नल फ्री नहीं हो पाया।

छोटे-छोटे कट बंद करने से मिलेगी जाम से निजात

यातायात विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ फ्लाईओवर बनाकर समस्या का हल नहीं निकल सकता। जब तक छोटे-छोटे कट बंद नहीं होंगे, स्थानीय वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाया जाएगा और ई-रिक्शा व ऑटो का नियमन नहीं होगा, तब तक सिग्नल फ्री सफर मुमकिन नहीं है। ट्रैफिक पुलिस भी मानती है कि इस हिस्से में नियमों का पालन कराने में बड़ी चुनौती आती है क्योंकि बाजार और घनी आबादी का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

यहां आ रही अड़चन

कश्मीरी गेट इंटरसेक्शन- दिल्ली गेट और आईएसबीटी से जुड़ने के कारण यहां वाहनों का दबाव अत्यधिक रहता है।

शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन के पास- फ्लाईओवर बनने के बावजूद नीचे की सड़क पर रुकने-चलने का क्रम यातायात को प्रभावित करता है। सीलमपुर चौक- यह इलाका सबसे बड़ी चुनौती है। यहां रोजाना हजारों ऑटो, ई-रिक्शा और स्थानीय बाजार के कारण भारी भीड़ रहती है।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्राइमरी टीचर एसोसिएशन का प्रदर्शन

फरीदाबाद। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन सोमवार से सड़कों पर उतर आया। जिला फरीदाबाद इकाई सहित पूरे प्रदेश में शिक्षकों ने जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे ।शिक्षक नेताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार पहली से आठवीं कक्षा तक पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि ऐसा न करने पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान रखा गया है। कोर्ट ने केवल पांच वर्ष से कम सेवा वाले शिक्षकों को ही छूट दी थी। इससे पहले एनसीटीई की गाइडलाइन के मुताबिक वर्ष 2011 के बाद नियुक्त शिक्षकों पर ही यह नियम लागू था। प्रदेश अध्यक्ष हरिओम राठी ने कहा कि यह आंदोलन केवल आदेश के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता और न्यायिक स्पष्टता के लिए भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस मसले पर ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

बहन की वजह से अभी नहीं हुआ वित्त मंत्रालय के अधिकारी का अंतिम संस्कार, भावुक कर देगी वजह

नई दिल्ली : वित्त मंत्रालय में कार्यरत उप सचिव नवजोत सिंह की बहन पुनीत कौर के अमेरिका से दिल्ली आने के बाद ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मंगलवार को उनकी बहन के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। बहन ने अपने पिता से फोन कर भाई को आखिरी बार देखने की इच्छा जताई है। दिल्ली के रिंग रोड पर बीएमडब्ल्यू कार से हुई टक्कर में नवजोत सिंह की मौत की खबर जब बड़ी बहन पुनीत तक पहुंची तो उनकी दुनिया ही उजड़ गई। उन्होंने पिता बलवंत सिंह से वीडियो कॉल पर रोते हुए यही गुजारिश की कि भाई का अंतिम संस्कार उनके आने के बाद ही किया जाए।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद से उनके 80 साल के पिता बलवंत सिंह पूरी तरह से टूट चुके हैं। 80 साल के पिता बलवंत सिंह एयरफोर्स से रिटायर अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि नवजोत का कुछ ही दिनों में प्रमोशन होने वाला था और परिवार ने प्रमोशन के बाद एक साथ

घूमने की योजना बनाई थी। लेकिन इस हादसे ने सब कुछ खत्म कर दिया।

कांपती आवाज में बलवंत सिंह बोले कि नवजोत हमारे घर का गर्व था। उसने आईआईएम लखनऊ से कुछ दिन पहले ही वह ट्रेनिंग लेकर आया था। वह अपनी मेहनत के बल पर ऊंचे मुकाम तक पहुंचा था। हम सब उसके उज्ज्वल भविष्य के सपने देख रहे थे। घटना के बाद से उनके बेटे नवनूर का भी रो रोकर बुरा हाल है। 16 सितंबर को उसका जन्मदिन है। हर साल उसके माता-पिता उसकी जन्मदिन बहुत धूमधाम से मनाते थे।

कार से गुजर रहे लोग बनाते रहे वीडियो

धौलाकुआं के पिलर नंबर 67 के पास हुए हादसे के बाद भी वहां से काफी गाड़ियां गुजरी लेकिन घायलों की मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। रविवार को हुए हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहे हैं। घटनास्थल पर रहने वाले लोगों ने भी कहा कि लोग मदद के बजाय वीडियो बनाने में व्यस्त दिखे। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर जलबोर्ड का काम चल रहा है। यहां काम करने वाले आकाश ने बताया कि रविवार दोपहर जब घटना घटी वह वहां खाना खा रहे थे। तभी लोगों का शोर सुनकर वह घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां काफी भीड़ जमा दी। वाहनों का तांता लगा था।

उन्होंने देखा कि एक कार पलटी हुई है और कार में कुछ लोग फंसे थे जबकि दो लोग सड़क पर गिरे थे। आकाश ने बताया कि भीड़ में शामिल लोग वीडियो बना रहे थे। यहां तक कि कार से गुजर रहे लोग भी वीडियो बना रहे थे। इसी बीच कुछ लोग कार में फंसे लोगों को बचाने के लिए आगे आए। बाइक से दूर जा गिरे व्यक्ति और एक महिला को लोगों ने काफी देर तक नहीं उठाया। यह बात वीडियो में भी दिख रही है कि लोग कार में फंसे लोगों की मदद कर रहे हैं लेकिन बाइक वालों की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। नेतराम ने बताया कि भीड़ ज्यादा होने के कारण वह ज्यादा कुछ नहीं देख पाए। नेतराम ने बताया कि रिंग रोड़ होने के कारण यहां बहुत तेजी से गाड़ी चलती है। जिससे अकसर हादसा होते रहता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)